राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक अख़बार

क्राइम रिव्यू

साहस सच लिखने का

UPHIN/2014/67765
वर्ष : 07 अंक 35 पृष्ठ : 8 मूल्य 2 रुपये
लखनऊ, रविवार 21 फरवरी, 2021
www.crimereview.co.in
www.facebook.com/hemant4u4life
@hemant4u4life

वर्चुअल मीडियम पर भी शोहदों की खैर नहीं 2 | 6 साल से सिस्टम से लड़ रहा पिता 3 | आओ! थोड़ा बसंत-बसंत हो जाएं 4 | गिरधारी बन गया शॉप शूटर 5

100 दिन में 25,050 पुल-पुलियों के जीर्णोद्धार-पुनर्निर्माण का कार्य हो पूरा

सीएम योगी ने दिया निर्देश : 21,542 पुल-पुलियों का जीर्णोद्धार तथा 3,508 का पुनर्निर्माण हो

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर रविवार को जल शक्ति विभाग के अन्तर्गत सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की नहरों पर निर्मित 25,050 पुल-पुलियों के जीर्णोद्धार एवं पुनर्निर्माण महाअभियान का शुभारम्भ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि आम जनमानस के जीवन को सरल और सहज बनाने के लिए सिंचाई विभाग द्वारा मिशन मोड में कार्य करते हुए 100 दिन के अन्दर सभी 25,050 पुल-पुलियों के जीर्णोद्धार एवं पुनर्निर्माण कार्य को मानक गुणवत्ता के अनुरूप पूर्ण किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले चरण में सिंचाई विभाग द्वारा आवश्यकता व उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए नहर की पटरियों को चिह्नित कर आवागमन के लिए तैयार किया जाए। नहर की पटरियों के आवागमन से जुड़ जाने पर वह सुरक्षित हो जाती हैं। साथ ही, उनका रख-रखाव भी सहजता से सम्भव हो पाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नहरों पर लगभग 70,000 पुल-पुलिया निर्मित हैं। इनमें से 21,542 पुल-पुलियों की जीर्णोद्धार तथा 3,508 पुल-पुलियों का पुनर्निर्माण किया जायेगा। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2020-2021 में विभाग ने सम्बन्धित क्षतिग्रस्त पुलों एवं पुलियों हेतु धनराशि की व्यवस्था है। आगामी वर्ष 2021-2022 में भी धनराशि प्रस्तावित की जायेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश का कृषि योग्य क्षेत्रफल 188 लाख हेक्टेयर है। 120 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में सिंचन क्षमता का सृजन किया गया है। राज्य में नहरों की लम्बाई 74,659 किमी, नलकूपों की संख्या 34,401 तथा पम्प नहरों की संख्या 278 है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मुख्य नहर प्रणालियां 100 वर्षों से भी अधिक पुरानी हैं। पूर्वी यमुना नहर प्रणाली लगभग 190 वर्ष, ऊपरी गंगा नहर प्रणाली 166 वर्ष, निचली गंगा नहर प्रणाली 142 वर्ष, बेतवा व केन नहर प्रणाली 135 वर्ष, धसान नहर प्रणाली 113 वर्ष एवं शारदा नहर प्रणाली 92 वर्ष पुरानी है। इन पर पुरानी तकनीकों व आवश्यकताओं के अनुसार पुल व पुलिया बनाये गये थे। विगत वर्षों में वाहनों की बढ़ती संख्या एवं भार के दृष्टिगत राज्य सरकार द्वारा आमजन व किसानों के हित में नहरों पर निर्मित पुल व पुलिया के जीर्णोद्धार व पुनर्निर्माण कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सरयू नहर परियोजना, मध्य गंगा नहर परियोजना सहित विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं को तेजी से पूर्ण कराया जा रहा है। सिंचाई परियोजनाओं को मानक के अनुरूप गुणवत्ता तथा निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किये जाने पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के निर्माण से प्रदेश में कृषि सिंचन क्षमता में बड़ी वृद्धि होगी। साथ ही, बड़ी संख्या में कृषक लाभान्वित होंगे।

सीएम योगी ने जेई टीकाकरण अभियान का किया शुभारंभ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को जापानी इंसेफेलाइटिस टीकाकरण अभियान, सघन मिशन इंद्रधनुष के तृतीय संस्करण और ई कवच मोबाइल एप्लीकेशन का शुभारम्भ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों के दौरान प्रदेश सरकार ने अंतर्विभागीय समन्वय के माध्यम से इंसेफलाइटिस पर प्रभावी नियंत्रण करने में सफलता हासिल की है। अंतर्विभागीय समन्वय की ताकत को हम सब को समझना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने अपने सरकारी आवास पांच कालिदास मार्ग पर आयोजित इस कार्यक्रम में कहा कि इंसेफलाइटिस पिछले 40-42 वर्षों से पूर्वी उत्तर प्रदेश के नौनिहालों को निगल रहा था। अकेले पूर्वी उत्तर प्रदेश के केंद्र बिंदु गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में ही इस बीमारी से प्रतिवर्ष 1000-1200 बच्चों की मौत होती थी और जो लोग मेडिकल कॉलेज तक नहीं पहुंच पाते थे, उनकी संख्या भी लगभग इतनी ही थी। उन्होंने कहा कि लगभग 40 वर्षों तक मौत का सिलसिला चलता रहा।

जानकीपुरम में चला एलडीए का बुलडोजर 24 करोड़ की जमीन खाली कराई

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण में अवैध निर्माण एवं अवैध कब्जे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जानकीपुरम विस्तार में बड़ी कार्रवाई की है।

एलडीए के प्रवर्तन जोन - 5 के दस्ते ने जानकीपुरम योजना के सेक्टर जे में 12 हजार वर्ग मीटर जमीन पर अवैध रूप से हुए कब्जे को मुक्त कराने की कार्रवाई की है।

एलडीए के प्रवर्तन दस्ते की ओर से अवैध कब्जे पर बुलडोजर चलाकर जमीन को खाली कराने की कार्रवाई की गई है। प्राधिकरण अधिकारी इस जमीन की कीमत 24 करोड रुपए की होने का दावा कर रहा हैं । लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अभिषेक प्रकाश के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है।

अधिशासी अभियंता जोन-5 के.के बंसला के नेतृत्व में चला अभियान

इस कार्रवाई में अधिशासी अभियंता जोन 5 के.के बंसला के नेतृत्व में गुडंबा पुलिस और प्राधिकरण का पुलिस व प्रवर्तन दस्ता मौजूद रहा। अवैध निर्माण और अवैध कब्जे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जानकीपुरम विस्तार में बड़ी कार्रवाई की है।एलडीए के प्रवर्तन दस्ते ने जानकीपुरम योजना के सेक्टर जे में 12 हजार वर्ग मीटर जमीन पर अवैध रूप से हुए कब्जे को मुक्त कराने की कार्रवाई की है। एलडीए के प्रवर्तन दस्ते की तरफ से अवैध कब्जे पर बुलडोजर चलाकर जमीन को खाली कराने की कार्रवाई की गई है।

प्राधिकरण अधिकारी बताते हैं: प्राधिकरण अधिकारी इस जमीन की कीमत 24 करोड रुपए बता रहे हैं। एलडीए उपाध्यक्ष अभिषेक प्रकाश के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई में अधिशासी अभियंता प्रवर्तन जोन -5 के.के बंसला के नेतृत्व में गुडंबा पुलिस व प्राधिकरण का पुलिस व प्रवर्तन दस्ता के साथ सहायक अभियंता एसएन प्रसाद, राजीव मिश्रा, अवर अभियंता संजय शुक्ला, सरोज कुमार, शिव कुमार, अजय महेंद्र, सुपरवाइजर जगदेव यादव मौजूद रहे।

शिवपाल ने योगी को कहा ईमानदार व कर्मठ, कार्यशैली पर उठाया सवाल

बोले-अखिलेश के साथ एलायंस को हम तैयार

क्राइम रिव्यू

प्रतापगढ़। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल यादव रविवार को एक दिवसीय दौरे पर प्रतापगढ़ पहुंचे हैं। यहां उन्होंने कहा कि गैर भाजपा सरकार बनाने के लिए सभी छोटे दलों को एक साथ आकर चुनाव लडना पड़ेगा।

श्री शिवपाल ने प्रसपा का सपा में विलय करने की बात को साफ इनकार कर दिया और कहा कि हमारी पार्टी सपा से एलायंस करने को तैयार है यदि अखिलेश एलायंस करें तो हम तैयार हैं।

वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ईमानदार और कर्मठ बताते हुए श्री यादव ने कहा कि उनकी कार्यशैली को सवालों के घेरे में है। मंहगाई और पेट्रोल के बढ़ते रफ्तार पर केंद्र सरकार पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आम आदमी महंगाई से परेशान हो गया है। किसान आंदोलन और केंद्र सरकार पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को कृषि कानून तत्काल वापस ले लेना चाहिए। प्रदेश सरकार के चार साल के कामकाज पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह सरकार हर मुद्दे पर विफल रही।

अखिलेश ने योगी को बताया बाहरी कहा-उप्र में नई सरकार की जरूरत

पेट्रोल-डीजल की मूल्य वृद्धि पर कसा तंज

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बाहरी बताते हुए निशाना साधा है। वहीं उत्तर प्रदेश में नई सरकार की जरूरत बतायी है। उन्होंने पेट्रोल डीजल की मूल्य वृद्धि को लेकर तंज कसते हुए कहा कि इन हालातों में गरीब सोचने पर विवश है कि बचाएं क्या और खाएं क्या। अखिलेश यादव शनिवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश की जनता को बाहरी मुख्यमंत्री थोप दिया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री तो उत्तर प्रदेश के नहीं हैं। यहां पर योगी आदित्यनाथ तो दूसरे प्रदेश से आए हैं। अगर वह वाकई में योगी हैं तो सच सभी को बताएं।

उन्होंने कहा कि योगी को उत्तर प्रदेश के बारे में कम जानकारी है। इसी वजह से सपा सरकार के कार्यकाल के काम को अपना बताते रहते हैं। सदन में उनकी भाषा मुख्यमंत्री वाली नहीं है। वह विकास पर कम बोलते हैं। सपा अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश में नई सरकार की जरूरत है क्योंकि सरकार ने जनता को निराश किया है।

राम मंदिर निर्माण पर बंटा यादव परिवार

अखिलेश के चंदाजीवी वाले बयान पर अपर्णा यादव का जवाब, दिया 11 लाख रुपए का दान

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। राम मंदिर पर समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और उनके घर की छोटी बहू अपर्णा आमने सामने हैं। पिछले दिनों राम मंदिर के महादान पर सवाल उठा चुके अखिलेश अब अपने ही परिवार में घिर गए हैं। अखिलेश राम के लिए दान लेने वालों को चंदाजीवी कह कर अपमानित कर चुके हैं। तो अब मुलायम की छोटी बहू और अखिलेश के छोटे भाई की पत्नी अपर्णा ने राम मंदिर के लिए समर्पण निधि में 11 लाख रुपए दिए हैं।

अपर्णा ने कहा कि मैंने अपनी इच्छा से दान दिया है। मैं अपने परिवार द्वारा लिए फैसलों की जिम्मेदारी नहीं ले सकती। मेरा मानना है कि हमारी आने वाली पीढ़ियों को राम भक्त होना चाहिए।' नेताजी की छोटी बहू अपर्णा शुरू से ही पार्टी लाइन से अलग चलती रही है। कई बार बहुओं और जेठ के बीच विचारधारा के स्तर पर सियासी तकरार सामने आई है। लेकिन राम के नाम पर छोटी बहू ने जो लकीर खींची है, वो ससुर मुलायम को भी परेशान करने वाली है।

1990 में मुख्यमंत्री रहते हुए उस समय के सीएम मुलायम सिंह ने कारसेवकों पर गोली चलवाई थी। इशारों-इशारों में अपर्णा यादव ने जो सवाल खड़े किए हैं उससे मुलायम परिवार में चौड़ी होती दरार साफ दिख रही है। अपर्णा यादव ने मुलायम और अखिलेश के खिलाफ जिस तरह से मोर्चा खोल दिया है, उसके बाद यूपी के सियासी हलकों में उनके बीजेपी से नजदीकी की अटकलें लंबे वक्त से लगाई जा रही है। लेकिन सियासत में इसे मतभेद नही ससुर और छोटी बहू में बगावत की तरह देखा जाता है।

पंचायत चुनाव से पहले कमिश्नरेट पुलिस ने कसी कमर

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। आगामी पंचायत चुनाव को लेकर कमिश्नरेट पुलिस ने पूरी तरह से कमर कस ली है। लखनऊ पुलिस की चुनावो को लेकर तैयारी का व्यापक असर सबसे पहले पश्चिम जोन में देखने को मिला है। चुनावों के मद्देनजर सुरक्षा की दृष्टि से कमिश्नर लखनऊ ध्रुव कुमार ठाकुर के आदेशानुसार पुलिस उपायुक्त पश्चिम देवेश पांडेय और अपर पुलिस उपायुक्त पश्चिम राजेश श्रीवास्तव के नेतृत्व में पुराने लखनऊ के मेफेयर तिराहे पर मॉक ड्रिल करी गयी। दरसल अचानक वायरलेस पर पश्चिम जोन में दंगे की सूचना प्रसारित हुई तो जोन के थानो में हड़कंप मच गया। थानों की पुलिस ने तब राहत की साँस ली जब उन्हें पता चला कि यह एक मॉक ड्रिल थी। चौक थाना क्षेत्र अंतर्गत हुई मॉक ड्रिल में सहायक पुलिस आयुक्त चौक आई पी सिंह समेत सर्किल के सभी थानों की फोर्स मौजूद रही। डीसीपी पश्चिम देवेश पांडेय के साथ ही एडीसीपी राजेश श्रीवास्तव ने फोर्स को आपराधिक घटनाओं की रोकथाम के लिए निर्देशित किया। इसके साथ ही एडीसीपी राजेश श्रीवास्तव ने पुलिसकर्मियों को यह भी बताया कि आकस्मिक होने वाले किसी भी प्रकार के दंगे से कैसे निपटा जाए। सफल मॉक ड्रिल के बाद लखनऊ कमिश्नर डीके ठाकुर ने डीसीपी पश्चिम देवेश पांडेय व एडीसीपी राजेश श्रीवास्तव की प्रशंसा करी।

माहौल देख भौचक्के हुए स्थानीय

संवेदनशीलता के लिए मशहूर पुराने लखनऊ मे शनिवार की शाम अस्त्र शस्त और दंगे से निपटने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले तमाम उपकरणो से लैस भारी संख्या मे पुलिस की मौजूदगी को देख कर कुछ देर के लिए लोग किसी अन्होनी की आशंका से भयभीत हो गए । पुलिस के आला अफसरो के साथ पुराने लखनऊ के अकबरी गेट पर मुसतैद मुद्रा मे नज़र आ रहे पुलिस के जवानो की आमद के कुछ देर बाद ही दंगा नियन्त्रण वाहन दमकल वाहन के अलावा कई एम्बुलेन्स भी हूटर बजाती हुई मौके पर पहुँची तो लोग हैरान थे कि आखिर अचानक क्षेत्र मे इतनी बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स की मौजूदगी क्यो है । आम जनता पुलिस फोर्स को देख कर भयभीत भी थी और इस सम्बन्ध मे पुलिस कर्मी से तो पूछने की हिम्मत भी नही जुटा पा रहे थी लेकिन पत्रकारो के फोन ज़रूर घनघनाने लगे । लोग ये जानने के लिए आतुर रहे कि आखिर अचानक इतनी फोर्स क्यू आई और आखिर क्या हुआ है या क्या होने वाला है। लोगो की जिज्ञासा कुछ देर मे ही उस समय समाप्त हो गई जब मौके पर मौजूद पुलिस के अफसरो ने पुलिस कर्मियो को सड़क पर ही समझाना शुरू कर दिया और पता चला कि किसी वारदात के बाद नही बल्कि किसी भी वारदात से निपटने के लिए तैयारियो का यह रिहलसल था।

मातहतों को सिखाए दंगे से निपटने के गुण

डीसीपी पश्चिम देवेश पाडेण्य ने बताया कि पुलिस की मुस्तैदी को चेक करने और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के लिए इस तरह की मांक ड्रिल होती रहती है । उन्होने कहा कि चौक थाना क्षेत्र के मैफेयर तिराहे पर करीब एक घण्टा ये रिहलसल की गई कि यदि क्षेत्र मे कही कोई समस्या आती है तो किस थाने की फोर्स को कितनी जल्दी कैसे पहुँचना है उन्होने बताया कि की गई रिहलसल मे पश्चिम क्षेत्र के सभी 9 थानो की पुलिस का रिस्पांस टाईम चेक किया गया जो पूरी तरह से सही पाया गया । उन्होने बताया कि मांक ड्रिल के दौरान पुलिस के जवानो को बताया गया कि यदि क्षेत्र मे कही कोई घटना यां दंगे की स्थिति उत्पन्न होती है तो किस तरह से यातायात का डायवर्जन करना है दंगे मे घायल हुए लोगो को किस तरह से तत्काल अस्पतल पहुँचाना है और किस तरह से खुद सुरक्षित रह कर आम जनता को सुरक्षित रखना है और आम जनता की सम्पत्ति को किस तरह से सुरक्षित रखना है। एडीसीपी पश्चिम राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस कर्मियो को कुछ नसीहते मौखिक तौर से की गई तो कुछ का नाटकीय रूपान्तरण की तरह करके उन्हे समझाया गया। पुराने लखनऊ के चौक थाना क्षेत्र के अकबरीगेट मैफेयर तिराहे के पास हुई पुलिस की इस रिहलसल के दौरान करीब एक घण्टे तक यातायात जाम की स्थिति भी उत्पन्न हुई इस दौरान सोशल मीडिया पर भी लोग ये जानने के लिए उत्सुक नज़र आए कि आखिर अचानक पुलिस फोर्स क्यू एकत्र हुई है। मांक ड्रिल के दौरान पुलिस ऐसी मुस्तैद मुद्रा मे थी जैसे वास्तव में कही कोई दगा हुआ है और पुलिस दंगाईयो से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

शिवपाल के भागीदारी संकल्प मोर्चा में शामिल होने का इंतजार : राजभर

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष व पूर्व मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने रविवार को कहा है कि उन्हें प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव के भागीदारी संकल्प मोर्चा में शामिल होने की घोषणा करने का इंतजार है।

आजमगढ़ में शनिवार की शाम एक शादी समारोह में पहुंचे प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव और आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के बीच एक बैठक हुई थी जिसके बाद दोनों दलों के बीच गठबंधन की संभावना तलाशी जा रही है।

एआईएमआईएम और सुभासपा ने वर्ष 2022 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव, भागीदारी संकल्प मोर्चा के बैनर मिलकर लड़ने का समझौता किया है और छोटे दलों को जोड़ने के लिए भागीदारी संकल्प मोर्चा एक मुहिम चला रहा है।

बलिया जिले के रसड़ा में रविवार को पत्रकारों ने भागीदारी संकल्प मोर्चा के संयोजक और सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर से जब ओवैसी और शिवपाल की मुलाकात के संदर्भ में पूछा तो उन्होंने कहा, मैं व्यस्त होने के कारण आजमगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में शरीक नहीं हो सका, इसलिए मुझे जानकारी नहीं हैं कि दोनों नेताओं के बीच क्या बातचीत हुई है, लेकिन मुझे उस दिन का इंतजार है कि जब शिवपाल सिंह यादव पत्रकार वार्ता आयोजित कर भागीदारी संकल्प मोर्चा में शामिल होने की घोषणा करेंगे। राजभर ने कहा कि भागीदारी संकल्प मोर्चा में शामिल सभी दल मिलकर पंचायत चुनाव लड़ेंगे और पंचायत चुनाव के लिए आरक्षण निर्धारित होने के बाद तय किया जाएगा कि किस दल को कितनी सीटों पर चुनाव लड़ना है।

उल्लेखनीय है कि ओमप्रकाश राजभर ने भागीदारी संकल्प मोर्चा में शामिल होने के लिए बीते दिनों शिवपाल सिंह यादव से मुलाकात की थी और उनके सकारात्मक रुख के बारे में पत्रकारों को जानकारी देते हुए दावा किया था कि यादव जल्?द मोर्चे में शामिल होंगे, लेकिन प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) के वरिष्ठ नेता दीपक मिश्र ने कुछ देर बाद ही राजभर के दावे का खंडन कर दिया था।

शिवपाल सिंह यादव ने शनिवार को आजमगढ़ में कहा था, वह शादी समारोह में आये हैं और उनकी एआईएमआईएम के अध्यक्ष ओवैसी के साथ बैठक हुई है।

जीवन ताश के पत्तों के खेल की तरह है। आपके हाथ में जो है वह नियति है, जिस तरह से आप खेलते हैं वह स्वतंत्र इच्छा है।
-पं. जवाहर लाल नेहरू

वीमेन पावर लाइन की पहल

वर्चुअल मीडियम पर भी शोहदों की खैर नहीं

- वीमेन पावर लाइन में साइबर लैब के जरिए की जा रही लड़कियों की हेल्प
- थाने में केस रजिस्टर्ड की जरूरत नहीं, बस एक कॉल 1090 को, तत्काल मिलेगी हेल्प

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। वीमेन पॉवर लाइन अब वर्चुअल माध्यम से भी शोहदों की खबर ले रही है। इसके लिए डबल्यूपीएल पर एक साइबर लैब भी बनाई गई है।जिसमें बैठी आईटी एक्सपर्ट की टीम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर महिला व युवतियों को परेशान करने वाले शोहदों को ट्रेस कर उनकी खबर ले रही है। इसकी शुरुआत मिशन शक्ति अभियान से की गई है और अब तक यूपी के कई शहरों से करीब 15 हजार से ज्यादा शिकायतें आई हैं। इन शिकायतों का न सिर्फ समाधान किया गया बल्कि कई गिरफ्तारियां भी कराई गई हैं।

एडीजी वीमेन पॉवर सेल नीरा रावत ने बताया कि डबल्यूपीएल ने साइबर लैब के जरिए अब वर्चुअल मीडियम पर महिलाओं व युवतियों से होने वाली शिकायतों का भी निस्तारण किया जा रहा है। इसके लिए पीड़िता को सिर्फ 1090 पर कॉल करनी होगी।

अभी लगाने पड़ते हैं चक्कर

अभी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर महिला व युवतियों की फेस आईडी बनाकर उन्हें परेशान करने के मामले में पीड़िता को साइबर सेल में अपनी लिखित शिकायत दर्ज कराने के साथ-साथ संबंधित थाने में एफआईआर भी दर्ज करानी होती थी। अब वीमेन पॉवर लाइन की साइबर लैब में पीड़ित को केवल कॉल करना है। जांच में सामने आता है कि अगर आरोपी एक युवती से ज्यादा अन्य महिलाओं को परेशान करता है तो उसके खिलाफ युवती एफआईआर नहीं दर्ज कराएगी खुद वीमेन पॉवर लाइन केस दर्ज करा संबंधित थाने की मदद से गिरफ्तार भी करेगी।

15,445 शिकायतें 17 अक्टूबर से 15 फरवरी
33,419 शिकायतें 1 जनवरी से 16 अक्टूबर 2020
34,792 शिकायतें वर्ष 2019 में
17,056 शिकायतें वर्ष 2018 में

12 लोगों की आईटी टीम

वीमेन पॉवर लाइन की साइबर लैब में 12 लोगों की एक्सपर्ट टीम है। इसकी नोडल इंचार्ज एसीपी मोनिका यादव हैं। वह आईडी से बीटेक करने के बाद पुलिस में आई हैं। उनके अलावा एक इंस्पेक्टर व अन्य आईटी एक्सपर्ट टीम है

केस-1

राजधानी निवासी युवती ने 1090 पर कॉल करके बताया कि रमेश नाम का लड़का उसके कॉलेज में पढ़ता था। उसने उसकी फोटो एडिट कर फेसबुक पर डाल दी। अब वह पोर्न साइट पर इसे वायरल करने की धमकी दे रहा है। शिकायत पर वीमेन पॉवर लाइन के साइबर फॉरेंसिक सेल ने आरोपी की डिटेल निकाली और इसकी जानकारी उसके भाई को फोन करके दी। रमेश को काउंसिलिंग के लिए 1090 बुलाया गया जहां उसने माफी मांगी और भविष्य में ऐसा न करने का वादा किया।

केस - 2

प्रयागराज निवासी शादी शुदा महिला ने शिकायत की कि शादी से पहले उसका हिमांशु नाम का दोस्त था। शादी के बाद उसने हिमांशु से बात करना बंद कर दिया। दो माह से हिमांशु उसके ससुराल व मायके वालों के वाट्सएप नंबर पर उसके बारे में आपत्तिजनक बातें करने लगा और उसकी एडिट फोटो भी भेजने लगा। 1090 में शिकायत के बाद उसने ऐसा करना बंद कर दिया।

केस - 3

लखनऊ निवासी 21 वर्षीय युवती की इंस्टाग्राम आईडी पर कोई दो फर्जी इंस्टाग्राम आईडी से मैसेंजर पर अभद्र मैसेज कर रहा था। साथ ही युवती की फोटो एडिट करके उसे सेंड कर रहा था। युवती ने 1090 पर शिकायत की. साइबर टीम ने इंस्टाग्राम से संपर्क कर फर्जी इंस्टाग्राम आईडी को बंद कराया और परेशान करने वाले रजत को कानूनी कार्रवाई करने की हिदायत दी।

शराब ठेके पर दो पक्षों के विवाद में चली गोली, युवक की मौत

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। काकोरी थाना क्षेत्र में देर रात को शराब के ठेके पर दो पक्षों में विवाद के बाद झगड़ा हो गया। मारपीट के दौरान चली गोली से एक युवक की मौत हो गयी है। पुलिस ने घटनास्थल की जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जॉइंट कमिश्नर क्राइम नीलाब्जा चौधरी ने बताया कि काकोरी के नरौना मोड़ के पास एक अंग्रेजी शराब की की दुकान है। रवि नाम का लड़का अक्सर दुकान में आकर शराब पीता था। उसके द्वारा गाली-गलौच किया जाता था। आज भी वह यहां पर आया और आरोपित रामबक्श से उसका झगड़ा हो गया। इस दौरान रवि ने अपने गांव से कुछ लोगों को बुलाकर रामबक्श को पीटना शुरू कर दिया। रामबक्श की ओर से गोली चलाई गई, जिससे अजीत की मौत हो गयी है।

मृतक काकोरी के ग्राम मौदहा का रहने वाला है। वह कोरियर का काम करता था। घटना की जानकारी पर एडीसीपी दक्षिण पूर्णेंदु सिंह, एसीपी समेत भारी पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर जांच शुरू कर दी है। आरोपित व शराब ठेकेदार अतुल फरार है, जिनकी गिरफ्तारी के लिये टीम को लगाया गया है।

पुलिस ने नकली सीमेंट फैक्ट्री का किया भंडाफोड़, तीन आरोपी भेजे गये जेल

कानपुर। सचेंडी थाना क्षेत्र में संचालित हो रही नकली सीमेंट फैक्ट्री का पुलिस ने भंडाफोड़ कर दिया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज ?दिया है। हालांकि मुख्य आरोपी अभी भी पुलिस की पहुंच से दूर है और पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए जुट गयी है।

सचेंडी थाना क्षेत्र के चकरपुर में पुलिस ने नकली सीमेंट फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। आपको बता दें कि पिछले कई महीनों से चकरपुर में एक गोदाम में नकली सीमेंट का कारोबार चल रहा था। कई नामचीन सीमेंट की बोरियों में भरकर शहर के अलग-अलग जगह पर सप्लाई की जाती थी, लेकिन मुखबिर की सटीक सूचना पर नकली सीमेंट का भंडाफोड़ करके तीन को हिरासत में लिया।

यूपी के कई शहरों में 25-25 युवाओं का ग्रुप तैयार किया था

आतंकी साजिश रचने वाले पीएफआई के दो मेंबर्स की गिरफ्तारी का मामला

- आतंकी संगठन जमात उल मुजाहिदीन बांग्लादेश की मदद से विस्फोट का किया इंतजाम
- दोनों आरोपियों की सात दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड मिली

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के हार्ड कोर सदस्य केरल निवासी अंसद बदरुद्दीन और फिरोज खान ने बांग्लादेश जाकर यूपी समेत पूरे देश में आतंकी हमले की साजिश रची थी। इनके लिए विस्फोटक का इंतजाम बांग्लादेश के आतंकी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन ने किया था। ये बांग्लादेश से पश्चिम बंगाल होते हुए बिहार के रास्ते मुंबई जा रहे थे। जहां उनकी कुल अन्य पीएफआई सदस्यों से मीटिंग होनी थी। दोनों के इन मंसूबों का पता लगने पर लखनऊ स्थित आईबी मुख्यालय के सभी सीनियर अफसरों ने उनसे गहन पूछताछ की और उनकी हर गतिविधि के बारे में केंद्रीय गृह मंत्रालय को अवगत कराया है। वहीं दूसरी ओर दोनों के खिलाफ यूपी एटीएस ने यूपीपीए एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करने के बाद अदालत में पेश किया जहां उनको सात दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड पर देने का आदेश जारी हुआ है।

बिहार से लिया था मुंबई के एलटीटी का टिकट

एसटीएफ ने मंगलवार को गिरफ्तार किए गए पीएफआई के दोनों सदस्यों ने खुलासा किया है कि उन्होंने लखनऊ समेत यूपी के आधा दर्जन से ज्यादा शहरों में 25-25 युवाओं का ग्रुप तैयार किया था जिसे हिट स्कवायड का नाम दिया गया था। एसटीएफ के सूत्रों के मुताबिक विगत 11 फरवरी को उन्होंने बिहार के कटिहार से मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनल तक का टिकट लिया था. उनके साथ पांच अन्य सदस्य भी यात्रा कर रहे थे।

मिर्जापुर रेलवे स्टेशन से फरार हो गए थे

एसटीएफ की टीम ने जब मिर्जापुर रेलवे स्टेशन पर उनको तलाशने की कोशिश की तो उनको पुलिस टीम की मौजूदगी की भनक लग गयी और वह फरार हो गए। इनमें से बदरुद्दीन और फिरोज ने लखनऊ आकर अपने हिट स्क्वायड के सदस्यों को कुकरैल इलाके में मिलने के लिए बुलाया था पर एसटीएफ को इसकी सूचना मिल गयी और दोनों को दबोच लिया गया। अब एसटीएफ के अधिकारी लखनऊ में उनके बाकी सदस्यों की तलाश कर रहे है। वहीं अन्य शहरों में उनके संपर्क में आए युवाओं की तलाश के लिए एसटीएफ की सारी यूनिट को अलर्ट पर रखा गया है। एसटीएफ के अधिकारियों की माने तो दोनों के इरादे बेहद खतरनाक थे और उनके निशाने पर आरएसएस के तमाम बड़े नेता थे।

पेट्रोल, डीजल व रसोई गैस की बढ़ती कीमतों की समस्या का जल्द हल निकाले सरकार: मायावती

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने सरकार से पेट्रोल, डीजल व रसोई गैस की बढ़ती कीमतों का संज्ञान लेकर तत्काल समस्या का हल निकालने की मांग की है।

मायावती ने रविवार को कहा कि देश में पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस जैसी जरूरी वस्तुओं की कीमत पर से सरकारी नियंत्रण हटने के बाद इनके दाम बेलगाम होकर जिस प्रकार से तेजी से अनवरत बढ़ रहे हैं उससे हर जगह हाहाकार मचा हुआ है। मायावती ने कहा कि इस मूल्य वृद्धि से जनता का जीवन अति-दुःखी व त्रस्त है। स्थिति की गंभीरता का संज्ञान लेकर सरकार इसका हल निकाले।

उन्होंने कहा कि साथ ही केन्द्र व राज्य सरकारें खासकर पेट्रोल व डीजल पर अतिरिक्त करों की जो मनमानी वृद्धि कर रही हैं उससे ही इनकी कीमतें आसमान छू रही हैं व करोड़ों गरीब व बेरोजगार जनता पर इसका सीधा बोझ आए दिन बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि क्या संविधान ने ऐसी ही कल्याणकारी सरकार का सिद्धान्त सुनिश्चित किया है?

इससे पहले कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव व उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका वाड्रा ने भी शनिवार को इस मूल्य वृद्धि को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने तंज कसते हुए ट्वीट किया कि भाजपा सरकार को सप्ताह के उस दिन का नाम अच्छा दिन कर देना चाहिए जिस दिन डीजल-पेट्रोल के दामों में बढ़ोत्तरी न हो। क्योंकि महंगाई की मार के चलते बाकी दिन तो आमजनों के लिए महंगे दिन हैं। दरअसल पेट्रोल, डीजल की लगातार बढ़ती कीमतें आम जनता की मुश्किलों का सबब बनी हुई है। विपक्षी दल इसे लेकर सरकार पर लगातार हमलावर बने हुए हैं।

5 साल से भटक रही महिला फरियादी को मिला न्याय

क्राइम रिव्यू

मोहनलालगंज। पांच साल से वरासत दर्ज कराने के लिए भटक रही महिला फरियादी को सरकार के वरासत अभियान ने न्याय दिला दिया। फरियादी को पति के नाम रही भूमि के नंबर तक पता नहीं थे लिहाजा तहसील प्रशासन की पहल पर राजस्व टीम ने भूमि का ब्योरा पता लगाया। फिर वरासत दर्ज कराकर महिला को खतौनी भी दिलवाई। प्रशासन की मदद से न्याय पाकर गदगद महिला फरियादी ने प्रशासन और सरकार का आभार जताया है।

लखनऊ के हुसेनगंज निवासिनी पूजा के पति शैलेन्द्र कुमार का 2015 में निधन हो गया था। जिसके बाद गोद में पल रही मासूम बच्ची आराध्या की जिम्मेदारी मां पूजा के कंधों पर आ गई। पूजा के मुताबिक उसके पति शैलेन्द्र के नाम गोशाईगंज इलाके में कुछ जमीनें थीं लेकिन जमीन के कागजात गुम हो जाने से वह जमीनों के बारे में कुछ नहीं जानती थी। कई बार तहसील से जमीनों का ब्योरा पता कराने की कोशिश की लेकिन उसे मदद नहीं मिल सकी। दिसम्बर में उसे सरकार के वरासत अभियान के बारे में पता चला तो पूजा ने तहसील पहुंचकर तहसीलदार निखिल शुक्ल और एसडीएम विकास सिंह से जनता दर्शन में मिलकर आपबीती बताई। अधिकारियों ने उसकी समस्या जानकर राजस्व निरीक्षक पूर्णिमा तिवारी को वरासत दर्ज कराने में मदद करने की जिम्मेदारी सौंपी। तहसीलदार ने बताया फरियादी पूजा और उसकी बेटी के नाम वरासत कराकर खतौनी भी दिलवा दी गई है।

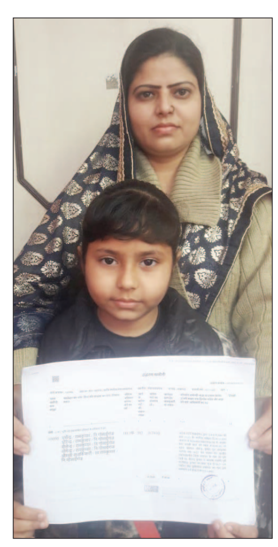

बेटी को दुलारा और दिलाया हक

न्याय पाने के लिए सालों से भटक रही फरियादी पूजा मासूम बेटी को साथ लेकर राजस्व निरीक्षक पूर्णिमा तिवारी के पास पहुंची तो उन्होने पहले बच्ची को दुलारकर उसे बिस्किट खिलाए फिर पूजा की आपबीती सुनने के बाद लेखपाल मेहताब अली के साथ मिलकर भूलेख से उसके पति के नाम रही जमीनों के ब्योरे तलाश कराए। उस वक्त पूजा के पास आवेदन आनलाइन कराने के लिए ज्यादा पैसे भी नहीं थे। लिहाजा राजस्व निरीक्षक ने तहसील के आपरेटर से ही आवेदन भी आनलाइन करा दिया। फिर घर वापसी के लिए किराया देकर उसे बेवजह दौड़ने के बजाए मोबाइल नंबर से जानकारी करने का भरोसा देकर घर भेज दिया। कुछ दिन बाद खतौनी पर वरासत आदेश दर्ज होते ही राजस्व टीम ने पूजा को खतौनी भी दिलवा दी है।

वीडियो वायरल कर जताया आभार

वरासत के लिए सालों से भटक रही पूजा को अभियान के जरिए न्याय मिला तो उन्होने वीडियो वायरल कर असहाय लोगों की मदद के लिए सरकार का आभार जताया है। राजस्व निरीक्षक ने बताया वरासत अभियान के दौरान राजस्व टीमें लगातार जरुरतमंद लोगों की वरासत दर्ज करने में हरसंभव मदद कर रही हैं।

शहर में मोबाइल चोरी नहीं, गुम होते हैं

- हजरतगंज में खोया पाया सेल में हर दिन आते हैं 10 से 15 मामले
- चोरों से बरामद मोबाइल की चोरी के मामले में नहीं दर्ज थी रिपोर्ट
- पुलिस कई मोबाइल चोर को कर चुकी है गिरफ्तार

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। जनाब, नवाबी शहर में मोबाइल चोरी ही नहीं होते हैं बल्कि यहां पर मोबाइल केवल खो जाते हैं। यह हम नहीं कह रहे हैं बल्कि पुलिस के रिकॉर्ड में दर्ज आंकड़े बयां कर रहे हैं। हैरान होने वाली बात तो यह है कि मोबाइल चोरी नहीं होते फिर भी कई मोबाइल चोर सैकड़ों मोबाइल के साथ दबोचे भी जा रहे हैं। आखिर क्या है पूरा माजरा आपको बताते हैं...

पुलिस की नजर में मोबाइल चोरी अपराध नहीं

पुलिस के रिकॉर्ड के आंकड़े पर नजर डालिए तो चोरी, मर्डर, लूट, डकैती मामले आपको जरूर मिलेंगे, मोबाइल चोरी, साइकिल चोरी के आंकड़े नहीं मिलेंगे। जो यह दर्शाते हैं कि पुलिस मोबाइल चोरी और साइकिल चोरी को अपराध नहीं मानती है। इसके बावजूद मोबाइल चोर पर नकेल कसने के लिए उन्हे दबोचती है और उनके पास से भारी संख्या में चोरी के मोबाइल बरामद करती है।

दरअसल, हमारी मित्र पुलिस चोरी के मोबाइल की तहरीर में फेरबदल कराकर उसे गुम होने की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज करती है ताकि चोरी की रिपोर्ट के आंकड़ों को कम किया जा सके।

रसूखदारों की ही दर्ज होती है रिपोर्ट

मोबाइल चोरी की रिपोर्ट केवल किसी बड़ी क्राइम की वारदात और रसूखदार लोगों की रिपोर्ट पर ही दर्ज होती है। जैसे लूट, डकैती व मर्डर केस में मोबाइल गायब होता है तो पुलिस अन्य धारा के साथ मोबाइल चोरी की भी रिपोर्ट दर्ज करती है। इसके अलावा किसी बड़े रसूखदार व्यक्ति का मोबाइल चोरी होता है तो उसे चोरी की धारा में दर्ज किया जाता है, लेकिन आम आदमी का मोबाइल चोरी भी होता है तो उसे केवल खोया पाया सेल और गुम होने की तहरीर पर ही दर्ज किया जाता है।

अपराध की संख्या न बढ़ने का कारण

सूत्रों के मुताबिक मोबाइल के चोरी होने की रिपोर्ट इसलिए दर्ज नहीं की जाती है क्योंकि सबसे ज्यादा संख्या मोबाइल चोरी की होती है। हर दिन शहर में 15 से 20 फोन चोरी होते हैं। अगर इनकी रिपोर्ट चोरी में दर्ज की जाएगी तो चोरी के आंकड़े बढ़ जाएंगे, जिसे पुलिस विभाग बिल्कुल भी नहीं चाहता है।

पुलिस के गुडवर्क पर खड़े हो रहे सवाल

पुलिस के रिकॉर्ड में भले ही चोरी के मोबाइल की रिपोर्ट दर्ज न हो, लेकिन वह कई गैंग और शातिर मोबाइल चोर को दबोच चुकी है। इतना ही नहीं उसके पास से बड़ी संख्या में चोरी के मोबाइल बरामद कर चुकी है।

खड़े हो रहे सवाल

गोमतीनगर

- वर्ष 2018 में गोमतीनगर पुलिस ने चोरी के सौ मोबाइल बरामद किये थे।
- मामले में तीन नाबालिग बच्चों को हिरासत में लिया था।
- बरामद मोबाइल की कीमत 15 लाख बताई गई थी।
- उस समय गैंग का मास्टरमाइंड सुनील फरार हो गया था

आशियाना

- फरवरी 2021 में आशियाना पुलिस ने तीन मोबाइल चोर आरोपियों को दबोचा।
- उनके पास से चोरी के 118 मोबाइल बरामद हुए थे।
- वारदात में सात नाबालिग बच्चों की संलिप्तता भी मिली थी।

खोया पाया सेल में केवल शिकायत

हजरतगंज में खोया पाला सेल है। जहां मोबाइल खोने, पर्स गिरने की की शिकायत दर्ज की जाती है। मोबाइल चोरी होने पर अगर पीड़ित व्यक्ति किसी थाने पर जाता भी है तो उसे इस सेल का हवाला देकर हजरतगंज थाने भेज दिया जाता है। जहां केवल मोबाइल गुम होने की शिकायत दर्ज होती है. रजिस्टर में उसका नाम, पता और मोबाइल नंबर दर्ज कर उसकी शिकायत की कॉपी की रिसीविंग दे दी जाती है। ताकि वह अपना दूसरा सिम खरीद सके।

कासगंज में सिपाही की हत्या का मुख्य आरोपी मोती पुलिस मुठभेड़ में ढेर

क्राइम रिव्यू

कासगंज । सिढपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम नगला धीमर में पुलिस टीम पर हमला कर सिपाही को मौत के घाट उतारने एवं दरोगा को गंभीर रूप से घायल करने के मामले में काफी दिनों से फरार चल रहे मुख्य आरोपी मोती को पुलिस ने बीती रात मुठभेड़ के दौरान मार गिराया। मोती पर एक लाख का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस ने दरोगा से छीनी गई पिस्टल भी बरामद कर ली है। मोती के भाई मुठभेड़ के दौरान फरार हो गए।

जनपद पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बने मोती ने 12 दिनों तक पुलिस को खूब छकाया लेकिन पुलिस ने भी अपनी हार नहीं मानी। रविवार रात्रि लगभग 3 बजे क्षेत्राधिकारी पटियाली, एसओजी टीम, गंजडुंडवारा थाना पुलिस, क्राइम ब्रांच एवं सिकंदरपुर थाना पुलिस के संयुक्त कार्रवाई के चलते काली नदी के किनारे मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मोती एवं उसके भाइयों मोहर सिंह मनपाल की घेराबंदी कर दी। मोती एवं उसके भाइयों ने पुलिस पार्टी पर हमला बोल दिया। पुलिस की जवाबी फायरिंग में मोती गंभीर रूप से घायल हो गया। जबकि उसके दोनों भाई मानपाल एवं मोहर सिंह मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मोती को घायल अवस्था में जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बीते 9 फरवरी को मोदी ने नगला धीमर में सिढपुरा थाना में तैनात दारोगा अशोक कुमार एवं देवेंद्र कुमार को गांव में तब घेर लिया था, जब अवैध शराब बनाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए पुलिसकर्मी गांव में पहुंचे। यहां मोती एवं उसके अन्य साथियों ने सिपाही देवेंद्र की पीट-पीटकर हत्या कर दी। जबकि दारोगा अशोक कुमार को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के 12 घंटे के भीतर पुलिस ने मोती के भाई एलकार को मार गिराया। लगातार कई गिरफ्तारियां की गई जिसमें सिया देवी, ममेरे भाई एवं मौसा शामिल हैं। जबकि मोती पुलिस की पकड़ से दूर रहा। उसपर एक लाख का इनाम घोषित किया गया।

बीती रात पुलिस को सफलता मिली। मोती को मार गिराया। जबकि इसके भाई मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मुठभेड़ स्थल से दारोगा से छीनी गई पिस्टल भी बरामद की है। इसके अलावा एक तमंचा एवं खोखा कारतूस भी बरामद हुए। एसपी मनोज कुमार सोनकर ने पुलिस टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि फरार आरोपी मोहर सिंह एवं मानपाल सिंह भी जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

14 मुकदमे हैं मोती पर

काली नदी की कटोरी में कच्ची शराब के कारोबारी मोती एवं उसके साथियों का बोलबाला रहा है। मोती पर विभिन्न धाराओं के 14 मुकदमे दर्ज हैं। जो जनपद के विभिन्न थानों में उल्लेखित हैं। एसपी मनोज कुमार सोनकर ने बताया कि उस पर पहले 50 हजार का इनाम घोषित किया गया था लेकिन पुलिस मुख्यालय की संस्तुति के बाद एडीजीपी राजीव कृष्ण ने बाद में इसका आपराधिक इतिहास देखते हुए इसे 1 लाख का इनामी घोषित कर दिया था।

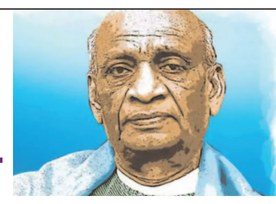

वह आदमी जो तलवार चलाना जानता है और अपनी तलवार को म्यान में रखता है, उसी को सच्ची अहिंसा कहते हैं।
–सरदार पटेल

बेटे को इंसाफ दिलाने के लिए 6 साल से सिस्टम से लड़ रहा पिता

चार बार पहले भी हो चुकी जांच, हर बार पुलिस ने लगाई एफआर

सच्ची घटना

पंकज द्विवेदी

लखनऊ। बेटे राहुल के बिना इस दुनिया में मेरे लिए व्यर्थ है, मैं अपनी आखिरी सांस तक अपने बेटे को इंसाफ दिलाने के लिए लड़ता रहूंगा। यह कहना है उस बेबस पिता का जिसका बेटा करीब छह साल पहले अपने ही स्कूल में संदिग्ध परिस्थियों में मृत मिला था। जिसके बाद से वह मौत की असल वजह का पता लगाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वह कभी पुलिस तो कभी कोर्ट का दरवाजा खटखटा रहे हैं। कोर्ट के आदेश के बाद भी पुलिस हर बार फाइनल रिपोर्ट लगाकर केस को बंद कर देती है। एक-दो बार नहीं बल्कि चार बार केस की जांच हो चुकी है, उसके बाद भी आज तक 14 साल के छात्र राहुल श्रीधर की मौत का सच सामने नहीं आ सका। सच को सामने लाने के लिए एक बार फिर पिता पीजीआई में टेक्निकल अफसर वी. श्रीधर ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सुप्रीम कोर्ट ने लखनऊ पुलिस को एसआईटी गठित कर छह सप्ताह में जांच रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया है।

8 फरवरी को दिया कोर्ट ने आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने 16 सितंबर 2019 को जांच के लिए लखनऊ पुलिस को एसआईटी गठित करने का आदेश दिया था, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। अब फिर से कोर्ट ने 8 फरवरी को आदेश दिया है कि लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस एसआईटी गठित जांच 6 सप्ताह में सौंपे।

घटना का रीक्रिएशन किया गया था

2019 में परिवार की अपील पर कोर्ट ने रीक्रिएशन का निर्देश दिया था। करीब 4 साल बाद गौतमपल्ली पुलिस ने 2019 में घटना का रीक्रिएशन किया. राहुल के पैरेंट्स की मौजूदगी में फॉरेंसिक एक्सपर्ट और पुलिस ने डमी को अलग अलग ढंग से 5 बार बिल्डिंग की छत से नीचे गिराया और छानबीन की, लेकिन इसका भी कोई निष्कर्ष नहीं निकला था।

ये है पूरा मामला

पीजीआई के टेक्निकल अफसर वी. श्रीधर का बेटा राहुल श्रीधर (14) ला मार्टिनियर स्कूल में कक्षा 9 का छात्र था। उसने 10 अप्रैल 2015 को सुबह 9 बजे स्कूल के कांस्टेंशिया स्मारक से संदिग्ध हालात में गिरकर उसने दम तोड़ दिया। राहुल की मां अनम्मा ने गौतमपल्ली थाना में अज्ञात लोगों पर बेटे की हत्या का केस दर्ज कराया था। पुलिस ने घटना को आत्महत्या बताकर फाइनल रिपोर्ट लगा दी थी, जिसके बाद पैरेंट्स ने कोर्ट की शरण ली थी. मामले में तत्कालीन थाना प्रभारी गौतमपल्ली व विवेचक एसके कटियार पर कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई हुई थी। परिवार ने राहुल के एक फेसबुक फ्रेंड पर भी शक जताया था।

सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी

इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने 16 सितंबर 2019 को जांच के लिए लखनऊ पुलिस को एसआईटी गठित करने का आदेश दिया था, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की थी। अब कोर्ट ने लखनऊ पुलिस की इस लापरवाही पर कड़ी नाराजगी जाहिर की है।

इंसाफ के लिए संघर्ष

2015

- 10 अप्रैल : नौवीं कक्षा के छात्र राहुल श्रीधर की ला मार्टिनियर कैंपस में कांस्टेंटिया बिल्डिंग से गिरकर मौत।
- 17 अप्रैल : अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ हत्या की एफआईआर दर्ज।
- अक्टूबर : पुलिस ने मामले को आत्महत्या के रूप में बंद कर दिया।

2016

- 1 फरवरी: परिवार द्वारा निचली अदालत चले जाने के बाद मामला फिर से खुल गया।
- 5 अक्टूबर: पुलिस ने फिर से पुरानी रिपोर्ट लगाते कहा जांच में कोई नये तथ्य नहीं मिले हैं।

2017

- 16 अगस्त : सीबीआई जांच की मांग को लेकर फैमिली याचिका दाखिल की।
- 24 सितंबर : कोर्ट ने पुलिस को एक महीने में जांच पूरी करने का निर्देश दिया, सीबीआई जांच की याचिका खारिज।

2018

- 29 नवंबर: लखनऊ पुलिस ने कैलिफोर्निया में फेसबुक मुख्यालय को लिखा, एक लैरी कॉर्नर के बारे में जानकारी मांगी, लेकिन नहीं मिली।

2019

- 5 अप्रैल : एक एसएलपी का संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को नोटिस जारी किया और मामले की रिपोर्ट मांगी।
- 3 सितंबर: कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को दूसरा नोटिस जारी किया, हत्या के मामले में स्थिति रिपोर्ट मांगी।
- 16 सितंबर: सुप्रीम कोर्ट ने राज्य को एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया।
- 3 अक्टूबर: कोर्ट के निर्देशन में क्राइम सीन दोबारा बनाया गया।
- 27 नवंबर: एफएसएल निष्कर्ष में दावा करता है कि यह आत्महत्या का मामला है।

2020

- नवंबर : कोर्ट ने दोबारा जांच कर 8 सप्ताह में प्रगति रिपोर्ट देने का निर्देश दिया।

2021

- 8 फरवरी : सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी को इंवेस्टिगेट कर 6 सप्ताह में रिपोर्ट देने का आदेश दिया।

विषाक्त भोजन खाने से मासूम की मौत,तीन की हालत नाजुक

क्राइम रिव्यू

माल। माल थाना क्षेत्र में शुक्रवार को विषाक्त भोजन खाने से संदिग्ध हालत में एक ही परिवार के चार सदस्य गम्भीर रूप से बीमार हो गए। जिसमें चार साल के मासूम की मौत हो गयी। पति, पत्नी व बेटी का इलाज प्राइवेट अस्पताल में कराया जा रहा है। पुलिस ने मासूम के शव को पोस्टमार्टम के लिये तथा भोजन को जब्त कर जाँच के लिये लैब भेज दिया है।

कस्बा माल से सटी पंचायत रामनगर के मजरे मुन्नूखेड़ा निवासी चन्द्रपाल (50) अपनी पत्नी लालती (45) पुत्र शिवा (4) बेटी शुभाषिनी (16) काजल (12) गीता (6) के साथ रहते है। बेटी सुभाषिनी के अनुसार चन्द्रपाल ने बीते गुरुवार को कस्बे की बाजार से तीन मुर्गे लाकर शाम को चिकन बनाया था। उसी रात पिता चन्द्रपाल, माँ मालती, बहन गीता व एकलौते भाई शिवा ने चिकन खाया था। सुभाषिनी व काजल ने चिकन नहीं खाया था। बचा हुआ चिकन सुबह खाने के लिये माँ ने सुरक्षित रख दिया था।शुक्रवार सुबह तक सभी सदस्य स्वस्थ थे। 11बजे उन्ही सदस्यों ने फिर से वही चिकन खा लिया। जिससे सभी की हालत बिगड़ गयी। पूरे गांव मे हड़कम्प मच गया। ग्रामीण सभी को सीएचसी ले गये, जहां चिकित्सकों ने हालत गम्भीर देख लखनऊ ले जाने की सलाह दी। ग्रामीणों ने तुरन्त सभी को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान मासूम शिवा ने दम तोड़ दिया। अन्य तीनों का अभी भी इलाज चल रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम को लिए भेज दिया है, साथ ही मौके से मिले खाने को जांच के लिये लैब भेजा गया है।

ग्रामीणों में खाने में जहर मिलाये जाने की चर्चा

ग्रामीणों में दबी जुबान खासी चर्चा थी कि खाने में कीटनाशक मिलाया गया है जिसकी तेज दुर्गंध बर्तनों तथा बचे हुए खाने से आ रही थी। यह भी पता चला है कि एक ट्रक पर लाद कर कुछ कारोबारी बाजार में सस्ते मुर्गे बेचने आये थे।जिनसे उक्त परिवार ने सौ रुपये में तीन मुर्गे खरीदे थे। मुर्गे सस्ते होने के कारण तमाम लोगों ने खरीदारी की थी,परन्तु किसी अन्य के बीमार होने की कोई शिकायत नहीं मिली।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से साफ होगी स्थिति

थाना प्रभारी राम सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम तथा लैब की रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति साफ होगी।जिसके आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

संपत्ति विवाद में अपनों ने ही युवक की कर दी हत्या, पिता और सौतेली मां गिरफ्तार

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। हसनगंज थानाक्षेत्र के पुरानी बांस मंडी में शुक्रवार सुबह हलीम उर्फ पप्पे (35) की पीटकर हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देने में उसके पिता, सौतेली मां, सौतेला भाई व बहन शामिल थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं मृतक की पत्नी की तहरीर पर चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने नामजद पिता और सौतेली मां को गिरफ्तार कर लिया है । मृतक जरदोजी के मुठिया का कारीगर था। वारदात के वक्त मृतक की पत्नी पहली मंजिल पर स्थित अपने कमरे में मौजूद थी। एडीसीपी उत्तरी प्राची सिंह के मुताबिक पुरानी बांस मंडी निवासी हलीम उर्फ पप्पे जरदोजी के काम में प्रयोग की जाने वाली मुठिया बनाने का काम करता था। उसकी शादी तीन साल पहले कुम्हारन टोला की रहने वाली रहनुमा बानो से हुई थी। परिवार में पिता नसीर उर्फ कल्लू, सौतेली मां शाहिदा, सौतेला भाई फरहान व बहन खुश्बू थी। हलीम पीछे के कमरे में काम कर रहा था। करीब 11 बजे चारों उसके पास पहुंचे। गाली गलौज शुरू कर दी। उसे घर से बाहर निकलने व रुपये के लेनदेन को लेकर विवाद करने लगे। इसी बीच अचानक हलीम पर लाठी-डंडे व लोहे के रॉड से हमला कर दिया। चीखपुकार सुनकर जब तक पत्नी रहनुमा बानो नीचे आती हलीम खून से लथपथ बेसुध होकर फर्श पर गिर गया था। रहनुमान ने शोर मचाया तो आसपास के लोग जुटे। हलीम को लोग अस्पताल लेकर जाते उससे पहले ही मौत हो गई थी।

हत्या की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं उसकी पत्नी रहनुमा की तहरीर पर हलीम के पिता नसीर उर्फ कल्लू, सौतेली मां शाहिदा, भाई फरहान व बहन खुशबू के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। एडीसीपी के मुताबिक शनिवार को पिता और सौतेली मां को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। एडीसीपी के मुताबिक 4-5 लाख रुपये के लेनदेन का विवाद पिता-पुत्र में चल रहा था। हत्या के पीछे रुपये की लेनदेन का ही मामला सामने आया है। आरोप है कि हलीम व उसकी पत्नी को नसीर व उसके दूसरी पत्नी व बच्चे घर से बाहर निकालना चाहते थे। लॉक डाउन के दौरान भी विवाद हुआ था। इसकी शिकायत पीड़िता ने मदेयगंज चौकी में की थी। रहनुमा का आरोप है कि इसी विवाद में शुक्रवार सुबह विवाद हुआ। विवाद के समय वह ऊपर अपने कमरे में सामान समेट रही थी।

पुलिस के मुताबिक कल्लू की दो शादियां थी। पहली पत्नी से हलीम के अलावा राजू जो मुंबई में रहकर काम करता है। इसके अलावा दो बेटियां है। दोनों की शादियां हो चुकी है। पहली पत्नी की मौत के बाद उसने दूसरी शादी शाहिदा से की थी। शाहिदा से चार बच्चे हैं। जिसमें फरहान, शहजान, मीना व खुशबू शामिल हैं।

गोसाईंगंज में छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

क्राइम रिव्यू

लखनऊ।गोसाईंगंज पुलिस ने शनिवार को छेड़छाड़ मामले के एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इंस्पेक्टर गोसाईंगंज ब्रजेश सिंह के मुताबिक बीते 18 फरवरी को एक युवती ने धौरहरा गांव निवासी शिवकुमार यादव खिलाफ छेड़छाड़ व अश्लील हरकत करने का मुकदमा दर्ज कराया था। पीड़िता का आरोप था कि वह 17 फरवरी की शाम खेत से घर वापस आ रही थी तभी उपरोक्त आरोपी ने उसके साथ अशलील हरकत की। जिसे मुखबिर की सूचना पर गाँव के चौराहे के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

रामचद्र इंस्टीट्यूट पर छात्रों ने दर्ज कराया फ्रॉड का केस

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। गुडम्बा के शिवानी बिहार कॉलोनी में स्थित रामचंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ पैरा मेडिकल एंड मैनेजमेंट शिक्षण संस्थान के प्रबंधक के खिलाफ छात्रों ने मोर्चा खोल दिया है, जिसके बाद छात्रों ने गुडंबा थाना में इंस्टीट्यूट के संस्थापक सुलभ मिश्रा सहित आठ लोगों पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है। छात्रों ने आरोप लगाया है कॉलेज के प्रबंधक ने एडमिशन लेने के दौरान जो वादे किए थे उन वादों से अब प्रबंधक मुकर गए हैं। जिस पर पुलिस मामले की जांच करने में जुट गई है।

इंस्पेक्टर गुडम्बा फरीद अहमद ने बताया कि राम चंद्र इंस्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट शिक्षण संस्थान में डिप्लोमा इन मेडिकल लैब टेक्निशियन कोर्स में छात्रों ने एडमिशन लिया था। छात्रों का कहना है कि एडमिशन के समय प्रबंधक ने छात्रों से कई वादे किए थे। जिसमें प्रबंधक ने कहा था कोर्स पूरा होने के बाद छात्र अपना लैब कहीं भी खोल सकते हैं और सरकारी नौकरी का फॉर्म भर सकते हैं। लेकिन एडमिशन लेने के बाद मैनेजमेंट वादों से मुकर गया

पहले दर्ज हुए नियम भी वेबसाइट पर हो गए चेंज

छात्रों का आरोप है कि कोर्स के लिए प्रति छात्र से इंस्टीट्यूट के प्रबंधक 40 हजार रुपये फीस भी एक साल के लिए जमा करा ली थी। लेकिन 2021 की जनवरी में परीक्षा फॉर्म भरने के बाद छात्रों को बताया गया कि कोई भी छात्र उत्तर प्रदेश के अंदर लैब नहीं खोल सकता है। वहीं छात्रों का आरोप है कि प्रबंधक की तरफ से बताया गया कि छात्र सिर्फ किसी भी लैब की फ्रेंचाइजी खोल सकते हैं ना कि वह अपना लैब खोलेंगे। वहीं उन्होंने कहा कि कोई भी छात्र सरकारी नौकरी का फॉर्म भी नहीं भर सकता है। साथ ही छात्रों का आरोप है कि वेबसाइट पर पहले जो नियम दर्ज किए गए थे वह भी बदल दिए गए है। इस मामले पर गुडंबा इंस्पेक्टर फरीद अहमद की माने तो शिवानी विहार कॉलोनी में स्थित राम चंद्र इंस्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट शिक्षण संस्थान के छात्र आकाश सहित 35 छात्रों ने एक शिकायती पत्र दिया है। जिसमें छात्रों ने कई गंभीर आरोप लगाए हुए हैं। छात्रों की शिकायत पत्र के हिसाब से मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। छात्रों ने एफआईआर में इंस्टीट्यूट के संस्थापक सौरव मिश्रा, प्रिंसिपल अनिल मिश्रा सहित सूरज गोस्वामी, विवेक पाल, श्रेया, गंगा, बिष्ट, अमित कुमार और राकेश के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है. उन्होंने कहा मुकदमा दर्ज होने के बाद इस मामले की जांच की जा रही है। जांच में साक्ष्य सामने आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुकदमा दर्ज कर गुडम्बा पुलिस ने आरोपी को भेजा सलाखों के पीछे

अलकापुरी में बच्चा चोरी का मामला

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। गुडम्बा पुलिस ने खुद की फजीहत कराने के बाद बच्चा चोरी मामले में चार दिन बाद एफआईआर दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

गुडम्बा के अलका पुरी कॉलोनी निवासी ललित सोनी कुर्सी रोड पर एनवाईटर, बैट्री की दुकान चलाते हैं। ललित के मुताबिक मंगलवार शाम करीब 7 बजे उसकी बेटी सिद्धि सोनी (डेढ़ वर्ष) घर के पास खेल रही थी। तभी एक युवक आया और बच्ची को टॉफी देकर उसे गोद मे उठा लिया। थोड़ी देर तक खिलाने के बाद वह बच्ची को लेकर जाने लगा यह देख बच्ची की बड़ी बहन रिद्धि (5) ने दादी सुषमा सोनी को बताया। दादी ने शोर मचाते हुए उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन आरोपी भाग निकला। दादी के शोर मचाने पर आस-पास के लोगों ने आरोपी और और बच्ची की तलाश शुरू की। घर से करीब 500 मीटर दूर कुर्सी रोड पर लोगों ने आरोपी को पकड़ कर बच्ची को उसके चंगुल से छुड़ा लिया। पूरी घटना सीसीटीवी फिटेज में कैद हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध महज शांतिभंग की कार्रवाई कर रफा दफा कर दिया। पुलिस की करतूत का खुलासा होने पर लोगों ने विरोध जताया जिसके बाद पुलिस ने शनिवार को आरोपी के विरुद्ध अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

साथी भाग निकला

लोगों का कहना है कि पकड़ा गया आरोपी बच्ची के साथ कुर्सी रोड क्रॉस करने की कोशिश कर रहा था। रोड की दूसरी तरफ उसका एक और साथी बाइक से खड़ा था। आरोपी के पकड़े जाने पर वह भाग निकला। सीसीटीवी फुटेज में भी आरोपी किसी से फोन पर बात करते हुए दिख रहा है।

तीन दिन से रेकी

पीड़ित के मुताबिक पकड़े गए आरोपी का एक साथी अपनी कथित पत्नी के साथ तीन दिन पहले पड़ोस के एक मकान को किराए से लेकर रह रहे थे। घटना के दिन आरोपी पहले उनके घर आया बाद में बच्ची को लेकर जा रहा था। लिहाजा लोगों ने रेकी करने की भी आशंका जाहिर की है।

पीड़ित से दरोगा ने लिखवाया कि नहीं चाहते कार्रवाई : पीड़ित पिता का कहना है कि उसने कार्रवाई के लिए पुलिस को तहरीर दी, लेकिन दरोगा ने अगले दिन थाने बुलाकर यह लिखवा लिया कि पुलिस अपनी तरफ से कार्रवाई करेगी लिहाजा वह लिख कर दे कि वह आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई नहीं चाहता है। पीड़ित का यह भी आरोप है कि दरोगा ने कहा कि यदि तुम कार्रवाई कराओगे तो कोर्ट कचहरी के चक्कर लगाने पड़ेंगे।

सीसीटीवी फुटेज का इंस्पेक्टर ने लिया संज्ञान : इस मामले में इंस्पेक्टर गुडम्बा फरीद अहमद का कहना है कि बच्ची का अपहरण नहीं हुआ था। आरोपी नशे में था और वह बच्ची को घर के पास ही खिला रहा था। उसकी मंशा अपहरण की नहीं थी।।लिहाजा उसका और उसके दो अन्य साथियों का शांति भंग में चालान किया गया। लेकिन करीब 300 मीटर की गली में लगे तीन सीसीटीवी फुटेज ने इंस्पेक्टर की थ्योरी को झूठा साबित कर दिया। फुटेज में साफ दिख रहा है कि आरोपी बच्ची को लेकर जा रहा है जिसका दादी विरोध भी कर रही है।

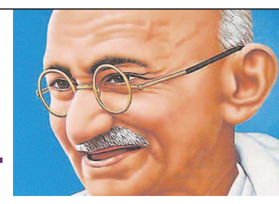

किसी देश की महानता और उसकी नैतिक उन्नति का अंदाजा हम वहां जानवरों के साथ होने वाले व्यवहार से लगा सकते हैं।
- गांधी जी

आत्मनिर्भर भारत का दम

एयरो इंडिया शो 2021 का आरंभ 3 फरवरी को कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में हुआ। दो साल में एकबार होने वाला यह शो 3 दिनों तक चला और इसका समापन 5 फरवरी को हुआ। एयरो इंडिया शो एयर स्पेस और डिफेंस सेक्टर के लिए एशिया की सबसे बड़ी और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी प्रदर्शनी है। इसमें अलग-अलग एयरफोर्स के नए विमानों, हथियारों और तकनीकों का बेंगलुरु के येलहंका एयरफोर्स स्टेशन पर प्रदर्शन किया जाता है। प्रदर्शनी के साथ ही पब्लिक एयर शो भी होता है, जिसमें विमान अलग-अलग फार्मेशन में उड़ान भरते हैं और करतब दिखाते हैं। इसबार इस एयर शो का थीम आत्मनिर्भरता रहा। इस तेरहवें एयरो इंडिया 2021 शो में देश-विदेश की कुल 600 कंपनियों ने हिस्सा लिया, इसमें भारत के अलावा 14 देशों की 78 कंपनियों ने भाग लिया था। कोरोना की वजह से यह शो पहली बार वर्चुअली हुआ।

इस शो में एचएएल की आत्मनिर्भर फार्मेशन फ्लाइट में देशी-स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस के साथ फील्ड विंग और रोटरी विंग एयरक्राफ्ट ने उड़ान भरी। इसबार का शो बहुत खास रहा क्योंकि इसमें बड़ी संख्या में भारत में पूरी तरह से विकसित विमानों और हेलीकॉप्टरों का प्रदर्शन किया गया। शो की शुरुआत में सबसे पहले भारतीय वायुसेना ने ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल से लैस सु-30 एमकेआई को प्रदर्शित किया। वैसे तो सुखोई रूस में निर्मित विमान है लेकिन हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड का इसमें सहयोग रहता है। वहीं जो ब्रह्मोस मिसाइल सुखोई में लगी है उसे डीआरडीओ ने विकसित किया है, ये मिसाइल 400 किलोमीटर की दूरी तक अपने लक्ष्य पर अचूक निशाना लगाती है। इस शो में आसमान में तीन सुखोई विमान त्रिशूल फार्मेशन में नजर आए। इसके बाद आत्मनिर्भर फार्मेशन में 5 विमान आसमान में नजर आए, जिसमें एलसीए तेजस अगुवाई करता दिखा। तेजस के पीछे चार छोटे एयरक्राफ्ट थे, इसके बाद भारतीय वायुसेना के एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम एयरक्राफ्ट ने नेत्र फॉर्मेशन में उड़ान भरी, जिसे हम आम भाषा में आसमान में वायुसेना की आंख कह सकते हैं। ये एयरक्राफ्ट दूर से ही दुश्मन के विमानों की पहचान कर लेते हैं और इसकी जानकारी कंट्रोल रूम को देते हैं, जिसके बाद फाइटर जेट्स दुश्मन के विमानों पर कार्यवाही करते हैं।

इस शो में अमेरिकन बी-1बी लांसर एयरक्राफ्ट ने भी उड़ान भरी, यह विमान अमेरिका के दक्षिणी डकोटा एयरबेस से उड़ा था और 26 घंटे बाद बेंगलुरु पहुंचा। ये बॉम्बर दुनिया में कहीं भी किसी भी मिशन में जाने में सक्षम है। अमेरिकी विमान कंपनी बोइंग ने अपने खतरनाक लड़ाकू विमान एफ-15 ई एक्स का काम पूरा कर लिया है, ये विमान पुराने एफ-15 का हाइटेक वर्जन है, जो कई परमाणु मिसाइलों को दागने में सक्षम है, साथ ही कई लड़ाकू विमानों का सामना अकेले कर सकता है। ये विमान भारत के लिए भी काफी खास है क्योंकि बोइंग ने भारतीय वायुसेना को भी इस हाइटेक विमान का ऑफर दिया है।

चीन और पाकिस्तान के विवाद के चलते भारत लगातार अपनी रक्षा तैयारियों को मजबूत कर रहा है। इसके अलावा भारत की कोशिश है कि ज्यादा से ज्यादा उन्नत तकनीकों के लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टर देश में ही निर्मित हों, इसी वजह से हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने एलसीए तेजस को विकसित किया है, इसका पूरा नाम लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस है,जो वायुसेना के साथ नौसेना के भी काम आता है। एयरो इंडिया शो के आगाज के साथ ही भारत सरकार ने 3 फरवरी को एक बड़ा सौदा किया जिसके तहत 83 तेजस विमान वायुसेना में शामिल होंगे, जिनकी कीमत 48 हजार करोड़ रुपए के आसपास होगी। ये स्वदेशी उत्पाद के लिए सबसे बड़ी डिफेंस डील है, इससे स्वदेशी डिफेंस इंडस्ट्री को बहुत मजबूती मिलेगी।

भारत के आसमान में उड़ते हुए इन फाइटर्स की गर्जना सिर्फ आसमान में सशक्त भारत की गूंज ही नहीं है बल्कि आत्मनिर्भरता के रास्ते पर हिंदुस्तान के मजबूत कदमों की दस्तक भी है। जब आसमान को चीरते हुए रफाल निकलता है, जब गगन में तेजस कलाबाजी खाता है, लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर जो जल्द ही वायुसेना को नई ताकत देने जा रहा है, इन्हें देखकर लगता है कि भारत के इन आसमानी लड़ाकों का कोई जवाब नहीं है, इनकी गर्जना से दुश्मनों का कांपना तो लाजमी है। यह शो केवल एक शो ही नहीं था बल्कि आत्मनिर्भर भारत की उड़ान का सशक्त प्रदर्शन भी था। सारंग हेलीकॉप्टर और सूर्य किरण ने पहली बार आसमान में अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया। भारतीय वायुसेना के लिए सबसे अहम बने हुए रफाल और तेजस ने कलाबाजियां दिखाईं। यह एयर शो कई मायनों में रक्षा क्षेत्र में भारत की तस्वीर बदलने की एक झलक है। रक्षा क्षेत्र में बढ़ती ताकत को दुनिया ने देखा। भारतीय वायुसेना को और मजबूत बनाने की सरकार की नीति के साथ ही भारतीय डिफेंस इंडस्ट्री को भी महाशक्ति बनाने की राह में भारत ने एक बड़ा कदम बढ़ा दिया है। इससे पहले विदेशी लोग अपनी टेक्नोलॉजी यहां लाकर शोकेस करते थे और यहां की इंडस्ट्री उनके साथ हाथ मिलाकर उस टेक्नोलॉजी को हासिल करती थी, अब भारत शोकेस कर रहा है।

पंचायतों में आरक्षण से और मजबूत होगा उत्तर प्रदेश

कोरोना महामारी के चलते पंचायत चुनाव तय समय पर नहीं हो पाए और ग्राम प्रधानों के वित्तीय अधिकार अधिकारियों के हाथों में चले गए थे। उच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा। कदाचित ऐसा न होता तो स्थिति ज्यादा मुफीद होती लेकिन जब जागे तभी सवेरा। अदालत के निर्देश के बाद सक्रिय हुई योगी आदित्यनाथ सरकार ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए आरक्षण नियमावली जारी कर दी है। चक्रानुक्रम यानी रोटेशन के तहत आरक्षण का लाभ पंचायतों को तो होगा ही, आरक्षण से वंचित तबका भी अब ग्राम प्रधान, ब्लॉक प्रमुख और जिला पंचायत अध्यक्ष के रूप में जोर आजमा सकेगा।

सियाराम पांडेय

उत्तर प्रदेश सरकार ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की आरक्षण नियमावली जारी कर दी है। इससे उत्तर प्रदेश न केवल और मजबूत होगा बल्कि राज्य में महिलाओं, दलित और पिछड़ी जाति के लोगों का सामाजिक वर्चस्व भी बढ़ेगा। वे सशक्त होंगे तो इसका असर प्रदेश के विकास पर भी व्यापक रूप से दिखेगा। जिला, नगर, ब्लॉक और गांवों का चक्रानुक्रम आधारित आरक्षण कर योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक तीर से कई निशाने साधे हैं। इस बहाने सरकार ने दलितों, पिछड़ों और महिलाओं को अपने अनुकूल करने की मुकम्मल कोशिश भी की है। इससे पंचायतों में वर्षों से चले आ रहे परिवारवादी कॉकस को तोड़ने में मदद मिलेगी, वहीं इसे लेकर उत्पन्न होने वाले असंतोष की जड़ में अवसर प्राप्ति का मट्ठा भी पड़ेगा। महिला सशक्तिकरण अभियान चलाने वाली योगी सरकार ने महिलाओं को सशक्त करने की भी इस बहाने भरपूर कोशिश की है। देखा जाए तो इस नई आरक्षण व्यवस्था से दलितों और पिछड़ों की राजनीति करने वाले बड़े राजनीतिक दलों को भी झटका लगेगा। किसान आंदोलन के मद्देनजर पंचायत चुनाव कराने का जो अदालती दबाव विपक्ष ने सरकार पर बनाया था, योगी सरकार ने अपने एक प्रयास से उसकी हवा निकाल दी है।

रोटेशन आधारित इस आरक्षण प्रक्रिया के चलते प्रदेश में महिलाओं का दबदबा बढ़ेगा, इसमें संदेह नहीं है। उत्तर प्रदेश की 58194 ग्राम पंचायतों में 19659 महिला प्रधान चुनी जाएंगी।

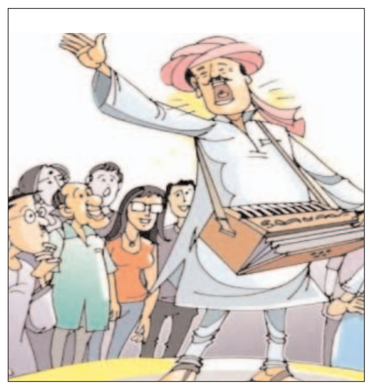

जिला पंचायत की 75 में से 25 सीटों पर महिलाओं का कब्जा होगा। ऐसी फूलप्रूफ व्यवस्था कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सत्ता में 33 प्रतिशत भागीदारी की महिलाओं की चिर प्रतीक्षित मांग भी पूरा कर दी है। इतना ही नहीं, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ की जिला पंचायत पर भी महिला ही काबिज होगी। यहां की जिला पंचायत अध्यक्ष भी अनुसूचित जाति की महिला बनेगी। शामली, बागपत, लखनऊ, कौशाम्बी, सीतापुर और हरदोई में जहां अनुसूचित जाति की महिला जिला पंचायत अध्यक्ष बनेंगी, वहीं संभाल, हापुड़, एटा, बरेली, कुशीनगर, वाराणसी और बड़ों की जिला पंचायत अध्यक्ष ओबीसी की होंगी। अनारक्षित जिला पंचायतों में भी 12 जिला पंचायतें कासगंज, फिरोजाबाद, मैनपुरी, मउ, प्रतापगढ़, कन्नौज, हमीरपुर, बहराइच, अमेठी, गाजीपुर, जौनपुर और सोनभद्र महिलाओं के लिए आरक्षित की गई है।

महिला प्रथम की नीति से महिलाओं की सहानुभूति का लाभ योगी सरकार को पंचायतों में तो मिलेगा ही, इसे 2022 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के तौर पर भी देखा जा रहा है। ब्लॉक प्रमुखों की कुल 826 सीटों में से अनुसूचित जनजाति के लिए 5 सीटें आरक्षित की गई हैं, जिनमें चार पर इसी जाति की महिलाएं चुनाव लड़ेंगी। जबकि अनुसूचित जाति के लिए 171 सीटें छोड़ी गई हैं, जिनमें से 86 सीटों पर इसी जाति की महिलाएं ब्लॉक प्रमुख का चुनाव लड़ेंगी। अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित 223 सीटों में से 97 इस वर्ग की महिलाओं के लिए है। जिला पंचायत में अनुसूचित जाति के लिए 16, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 20 सीटें आरक्षित कर योगी सरकार ने सूबे में यह संदेश देने की कोशिश की है कि वह सबका साथ और सबका विकास की अवधारणा में यकीन रखती है।

कोरोना महामारी के चलते पंचायत चुनाव तय समय पर नहीं हो पाए और ग्राम प्रधानों के वित्तीय अधिकार अधिकारियों के हाथों में चले गए थे। उच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा। कदाचित ऐसा न होता तो स्थिति ज्यादा मुफीद होती लेकिन जब जागे तभी सवेरा। अदालत के निर्देश के बाद सक्रिय हुई योगी आदित्यनाथ सरकार ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए आरक्षण नियमावली जारी कर दी है। चक्रानुक्रम यानी रोटेशन के तहत आरक्षण का लाभ पंचायतों को तो होगा ही, आरक्षण से वंचित तबका भी अब ग्राम प्रधान, ब्लॉक प्रमुख और जिला पंचायत अध्यक्ष के रूप में जोर आजमा सकेगा।

एक ही जाति के व्यक्ति के पास अगर पंचायती हो तो बाकी जाति के लोगों में असंतोष का भाव पैदा होता है। यह स्थिति पंचायत के विकास में रोड़े अटकाती है। सरकार ने इसे न केवल समझा है बल्कि असंतोष की जड़ पर ही प्रहार करने की योजना बनाई है। इससे गांव और शहर के बीच भी संतुलन बनेगा। आरक्षण नियमावली पर कुछ राजनीतिक दलों को असंतोष हो सकता है, उन्हें नाराजगी हो सकती है लेकिन इस दिशा में प्रयास तो बहुत पहले हो जाने चाहिए थे। लेकिन देर आयद- दुरुस्त आयद के तहत जिस तरह योगी सरकार आगे बढ़ रही है, उससे प्रदेश में खासकर पंचायती क्षेत्रों चाहे वह गांव हो, ब्लॉक हो, नगर हो या जिला, व्यवस्था बदलेगी और काम के स्वरूप में भी नवीनता देखने को मिलेगी। बहुत सारे गांव, ब्लॉक, नगर व जिला पंचायतों के वार्ड ऐसे थे जिनका कभी आरक्षण हुआ ही नहीं। एक ही परिवार के हाथ में प्रधानी और पंचायती का दायित्व रहा। पंचायतों के इस वंशवादी चरित्र को तोड़ना मौजूदा दौर की सबसे बड़ी जरूरत थी। सरकार ने इस जरूरत को समझा ही नहीं, बल्कि पंचायतों में सुधारों के दृष्टिगत उसमें सुधार-परिष्कार की दिशा में भी वह आगे बढ़ी।

सामान्य निर्वाचन वर्ष 1995, 2000, 2010 और वर्ष 2015 में अनुसूचित जनजातियों को आवंटित जिला पंचायतें अनुसूचित जनजातियों को आवंटित नहीं की गई हैं और अनुसूचित जातियों को आवंटित जिला पंचायतें अनुसूचित जातियों को आवंटित नहीं हुई हैं।

आओ! थोड़ा बसंत-बसंत हो जाएं

प्रभुनाथ शुक्ल

माघ विदा हो चला है। मौसम का मिजाज फागुनी हो चला है। ठंड अब बूढ़ी हो गई है। हल्की पछुवा की गलन सुबह- शाम जिस्म में चुभन और सिहरन पैदा करती है। गुनगुनी धूप थोड़ा तीखी हो गई है। घास पर पड़ी मोतियों सरीखी ओस की बूँदें सूर्य की किरणों से जल्द सिमटने लगी हैं। प्रकृति के इस बदलाव के साथ फागुन ने आहिस्ता-आहिस्ता क़दम बढ़ा दिया है। फसलों की रंगत बदल गई है। गाँवों में रंग-रंगीली होली के दिन करीब आने वाले हैं। लेकिन होली की कोई आहट नहीं दिखती।

प्रकृति तो हमें वसंत का भरपूर एहसास दिलाती दिखती है। सिवान की मेंड़ों से गुजरते वक्त फसलें उसी शिद्दत से पछुवा हवाओं के साथ झूमकर आलिंगन करती हैं। गदराई सरसों के खेत पीले-पीले फूलों और हरी फलियों से झुक गए हैं। अलसी और तीसी के नीले फूल झूम- झूमकर वसंत के स्वागत में लगे हैं। जौ की सुनहली बालियां बौराई-सी झूम रहीं हैं। मटर फूल और फली से लद गई है। टेंशू, गेंदा और गुलाब फागुन की मस्ती में खिलखिला रहे हैं। अमराइयों में आम में लगे बौरों की मादकता अजीब गंध फैला रही है। भौंरे कलियों का रसपान कर वसंत के गीत गुनगुना रहे हैं। पेड़ों से पत्ते रिश्ते तोड़ वसंत के स्वागत में धरती पर बिछ जाने को आतुर हैं। प्रकृति और उसका एहसास फागुन के होने की दस्तक देता है। भौजाई की ठिठोली और मसखरी जाने कहां खो गई। फागुन के गीतों पर ढोल-मंजीरे की थाप सुनाई नहीं देती है। पूर्वांचल में फागुन के गीत को फगुवा के नाम से पुकारा जाता है। लेकिन अब यह गीत और उसे गाने वाले लोग गायब हैं।

आधुनिक विकास ने गांव की परिभाषा को निगल लिया है। अब गांव की असली तस्वीर केवल पुरानी हिंदी फिल्मों में कैद हो चुकी है। कभी गांव का नाम जेहन में आते ही खपरैल, घास-फूस और छप्पर की तस्वीर उभर आती थी। दिमाग में कोल्हू, हल-बैल, कुएं, तालाब, दुबला, रहट, नार- मोट, ढेकुली, मंदिर और लुका-छिपी का खेल नाचने लगता था। हुक्का गुड़गुड़ाते सुक्खु चाचा और टूटे चश्मे की फ्रेम आँखों पर चढ़ाई दादी गायब हैं। यहीं नहीं उसकी डांट में छुपी मिठास और हाथों की छड़ी भी बदले दौर में गुम हो गई। अब तो नई पीढ़ी को गांव और दादी गूगल पर ही मिलेगी। माघ-फागुन के मौसम में चरखी से निकले गन्ने के रस में दही मिला सीखरन तैयार होता था। फिर मटर की सलोनी के साथ उसे पीने का आनंद और स्वाद ही अलग था। अब गाँवों से गन्ने की खेती गायब हो चली है। कड़ाहे गुड़ और खांड की सोंधी गंध नाक को तृप्त नहीं करती। वह वक्त भी था जब पकती खांड में हम आलू डालने जाते तो दादा की खूब डांट मिलती। लेकिन सबकुछ बदल गया है।

अब गांव कंकरीट के जंगल में तब्दील हो चुके हैं। धनाढ्यों ने कई मंजिला इमारतें खड़ी कर शहरी अभिजात संस्कृति का आगाज किया है। घरों में टिमटिमाती ढेबरी की जगह एलीडी और इनवर्टर के प्रकाश ने ले लिया है। कभी-कभी मिट्टी का तेल यानी केरोसिन न मिलने से दादी और अम्मा कडुवा तेल का दीपक जलाती थी। लेकिन अब यह बातें कहानियां हो गई हैं। डाकिया बाबू दिखाई नहीं पड़ते। अब कोई भौजाई देवर से पति को पाती लिखवाने की आरजू मिन्नत नहीं करती दिखती। मोबाइल ने तो जीवन की सारी रसिकता छीन ली। नई पीढ़ी के लिए गांव, वसंत और फागुन शोध का विषय बन गए हैं।

प्रकृति में अल्हड़ फागुन जीवंत है लेकिन बदली परम्पराओं और हमारी सोच में वह बूढ़ा हो चला है। फागुन में रास है न रंग। बस होली के नाम पर औपचारिकता दिखती है। अब गालों पर गुलाल मलने की सिर्फ रस्म निभाई जाती है जबकि दिल नई मिलते। फाग गीतों की आड़ में दोअर्थी गीतों ने हमारी संस्कृति और संस्कार को गंदा कर दिया है। होली का हुल्लड़ अब फूहड़ हो चला है। गाँवों में फागुन वाली भौजाई गायब है। जब कच्चे मकान होते थे तो भौजाई और घर की औरतें माटी-गोबर लगाती थीं। क्योंकि बारिश की वजह से छप्पर टपकने से घर की दीवालें कट जाती थी। पतझड़ का मौसम आते ही पेड़ों की पत्तियों को पोतनी मिट्टी और गोबर के साथ मिलाकर घरों की पुताई होती थी। पूर्वांचल में गांव की भाषा में इसे गोबरी कहते हैं। गोबरी लगाते वक्त अगर कोई देवर उधर से गुजरता था तो भौजाई दौड़ाकर मुंह और कपड़े में गोबरी लगा फागुन और होली के हुड़दंग का आगाज करती थी। फिर देवर भी भौजाई को छेड़ने के मौके तलाशते थे। टोलियों के साथ होली मनती थी। वसंत लगते ही रंगत बदल जाती थी। माघ-फागुन में होने वाली शादी में दूल्हा और बाराती रंगों में नहा उठते थे। होली के दिन गुड़ में भांग मिलाकर महजूम बनाए जाते थे। भांग मिश्रित ठंढई बनती थी।

बचपन में हमलोग उसे पीकर होली के हुडदंग में शामिल हो जाते। यह सब वसंत लगते ही शुरू हो जाता था। लेकिन अब न वह देवर हैं न भौजाई। पूर्वांचल के गाँवों में पंचायती चुनाव के चलते सौहार्द का समीकरण इतना बिगड़ गया है, कोई किसी के घर नहीं जाना चाहता। त्योहारों का उत्साह भी गोलबंद हो चला है। होलिका अब नहीं जुटाई जाती है। वह दौर भी था जब वसंत पंचमी के दिन से होलिका संग्रह होने लगता। बचपन में युवाओं में होलिका को लेकर खास उत्साह होता। जिस दिन होलिका दहन होता उस दिन दादी ऊबटन और तेल की मालिश कर उसकी लिझी यानी मैल होलिका में डलवाती थी। लेकिन अब इस तरह के रिवाज़ गायब हैं।

किसका विरोध, क्या जनता का?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

सर्वोच्च न्यायालय ने जन-प्रदर्शनों के बारे में जो ताज़ा फैसला किया है, उससे उन याचिकाकर्ताओं को निराशा जरूर हुई होगी, जो विरोध-प्रदर्शन के अधिकार के लिए लड़ रहे हैं। यदि किसी राज्य में जनता को विरोध-प्रदर्शन का अधिकार न हो तो वह लोकतंत्र हो ही नहीं सकता। विपक्ष या विरोध तो लोकतंत्र की मोटरकार में ब्रेक की तरह होता है। विरोधरहित लोकतंत्र तो बिना ब्रेक की गाड़ी बन जाता है। अदालत ने विरोध-प्रदर्शन, धरने, अनशन, जुलूस आदि को भारतीय नागरिकों का मूलभूत अधिकार माना है लेकिन उसने यह भी साफ़-साफ़ कहा है कि उक्त सभी कार्यों से जनता को लंबे समय तक असुविधा होती है तो उन्हें रोकना सरकार का अधिकार है।

अदालत की यह बात एकदम सही है, क्योंकि आम जनता का कोई हुक्का-पानी बंद कर दे तो यह भी उसके मूलभूत अधिकारों का उल्लंघन है। यह सरकार का नहीं, जनता का विरोध है। प्रदर्शनकारी तो सीमित संख्या में होते हैं लेकिन उनके धरनों से असंख्य लोगों की स्वतंत्रता बाधित हो जाती है। लाखों लोगों को लंबे-लंबे रास्तों से गुजरना पड़ता है, धरना-स्थलों के आसपास के कल-कारखाने बंद हो जाते हैं और सैकड़ों छोटे-व्यापारियों की दुकानें चौपट हो जाती हैं। गंभीर मरीज़ अस्पताल तक पहुंचते-पहुंचते दम तोड़ देते हैं। शाहीन बाग और किसानों जैसे धरने यदि हफ्तों तक चलते रहते हैं तो देश को अरबों रु. का नुकसान हो जाता है। रेल रोको अभियान सड़कबंद धरनों से भी ज्यादा दुखदायी सिद्ध होते हैं। ऐसे प्रदर्शनकारी जनता की भी सहानुभूति खो देते हैं। उनसे कोई पूछे कि आप किसका विरोध कर रहे हैं, सरकार का या जनता का?

इस तरह के धरने चलाने के पहले अब पुलिस की अनुमति लेना जरूरी होगी, वरना पुलिस उन्हें हटा देगी। पता नहीं, दिल्ली सीमा पर चल रहे लंबे धरने पर बैठे किसान अब अदालत की सुनेंगे या नहीं। इन धरनों और जुलूसों से एक-दो घंटे के लिए यदि सड़कें बंद हो जाती हैं और कुछ सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शनकारियों का कब्जा हो जाता है तो कोई बात नहीं लेकिन यदि इन पैंतरों से मानव-अधिकारों का लंबा उल्लंघन होगा तो पुलिस-कार्रवाई न्यायोचित ही कही जाएगी।

काश! स्मार्ट इण्टेलीजेंस से रोके जाते सड़क हादसे

ऋतुपर्ण दवे

खराब और गड्ढे से भरी घुमावदार सड़कें, ऊपर से मनमाने स्पीड ब्रेकर, सड़कों पर पड़े पत्थर-बोल्डर से निजात मिलना बेमानी सा लगने लगा है। जबकि हकीकत यह है कि भारत में सड़कों पर ईंधनयुक्त वाहनों का उपयोग करने वालों को तीन तरह के टैक्स भरपूर चुकाने पड़ते हैं। पहला तो रोड टैक्स, दूसरा रोड सेस जो प्रत्येक प्रति लीटर पेट्रोल-डीजल पर 10 रुपए से भी ज्यादा है, साथ ही एक्साइज ड्यूटी और वैट भी। तीसरा टैक्स टोल टैक्स के रूप में फर्राटेदार सड़कों के नाम पर रेडियो फ्रिक्वेंसी युक्त शानदर व्यवस्था फास्टटैग से 16 फरवरी से ही जरूरी हो गया है वरना भारी जुर्माना। बावजूद इसके सड़कें टैक्स के मुकाबले फीकी और बदतर ही नजर आती हैं।

जहाँ फिर एक बस दुर्घटना ने विन्ध्य सहित पूरे देश को जबरदस्त रूप से झकझोर दिया, वहीं विन्ध्य अँचल को तीसरी बार बहुत बड़ा बस हादसा देखने को मजबूर कर दिया। 16 फरवरी की सुबह सवारियों से भरी तेज रफ्तार बस द्वारा नहर पर ही ट्रक को ओवरटेक करने की जल्दी में जरा-सा संतुलन बिगड़ा और देखते ही देखते चन्द सेकेण्ड में पूरी बस बाणसागर नहर की 22 फिट गहराई में जा समाई।

सीधी-सतना मार्ग पर पहले भी दो बहुत बड़े बस हादसे हो चुके हैं। मई 1986 में गोविन्दगढ़-सीधी छुहिया घाटी में हुआ जो डाक बस के नाम से आज भी जाना जाता है। इसमें बस अनियंत्रित होकर घाट से नीचे जा गिरी और 53 लोग जान से हाथ धो बैठे। सितंबर 1986 में रामपुर बघेलान के पास हुआ जिसमें स्टेशन जा रही यात्री बस सामने से आ रहे ट्रेलर के एकाएक मुड़ने से उसमें जा समाई और बस की छत के परखच्चे उड़ गए। बहुत दर्दनाक तरीके से बस में सवार 45 लोगों के सिर, धड़ से अलग हो गए।

1988 में लिलजी बांध में बस गिरने से हुआ था जिसमें 91 लोगों की जान गई थी। वहीं, 19 अक्टूबर 2006 को गोविंदगढ़ के रघुराज सागर तालाब में बस के घुस जाने से हादसा हुआ और 68 लोगों की जान चली गई। जबकि दिसंबर 2019 में रीवा से आ रही बस गुढ़ बाईपास में एक खड़े ट्रक में जा घुसी, जिसमें 9 लोगों की जान चली गई। वहीं इसी साल 7 जनवरी को छुहिया घाटी में सीमेंट फैक्ट्री की बस के ऊपर गर्म क्लिंकर से लोड ट्रेलर पलटने से मौके पर 3 जिन्दगियाँ खत्म हो गईं। काश, यह यहाँ बस यात्रियों को जल समाधि देने वाला आखिरी हादसा हो!

दुस्साहस देखिए कि बस तय रूट पर नहीं थी। रूट पर 5 दिनों से था। उससे भी बड़ी सच्चाई कि छुहिया घाटी रूट पर हालात इतने बद से बदतर हैं कि महीने में 15 दिन जाम तय है। कारण पहाड़ी और घुमावदार रास्ता, बीच-बीच में खराब वाहन। सड़कों के विकास, सुधार और निर्माण पर भरपूर ध्यान देने के तमाम दावों के बीच इस सड़क की हकीकत ने बड़ी वीभत्सता के साथ सच को आईना दिखाते हुए सभी का ध्यान खींचा है।

यह भी सच है और तस्दीक विश्व बैंक की एक रिपोर्ट भी करती है कि दुनिया में हर वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में सबसे ज्यादा मौतें भारत में ही होती हैं। देश में प्रतिवर्ष 4.5 लाख सड़क दुर्घटनाओं में 1.5 लाख लोगों की मौत हो जाती है। बहुतेरे दिव्यांग हो जाते हैं। इसके अलावा देश के सकल घरेलू उत्पाद के 3.14 प्रतिशत हिस्से का नुकसान हो जाता है। एक सच और भी है। भारत में दुनिया के महज एक फीसदी वाहन ही हैं, वहीं सड़कों पर वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं का आंकड़ा 11 प्रतिशत है। केन्द्रीय परिवहन मंत्री भी खुद मानते हैं कि इन दुर्घटनाओं से समाज और राष्ट्र पर जबरदस्त बोझ पड़ता है और देश को प्रति व्यक्ति मौत पर करीब 91.16 लाख रुपयों का नुकसान होता है। विश्व सड़क सांख्यिकी-2018 के अनुसार, विश्व के 199 देशों में सड़क दुर्घटना से

होने वाली मौतों की संख्या में भारत पहले स्थान पर था। इनको यदि आँकड़ों के लिहाज से देखें तो वर्ष 2018 में पूरे देश में 4,67,044 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं जबकि इसी वर्ष की सड़क सुरक्षा पर वैश्विक स्थिति को देखें तो 23 सेकेंड में एक व्यक्ति की सड़क दुर्घटना में मृत्यु होती है।

विडंबना देखिए गत वर्ष ही मोटर वाहन अधिनियम में संशोधन कर कठोर प्रावधानों को लागू किया गया ताकि सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सके। वाहनों की सुरक्षा के लिए भी कई नए इंजीनियरिंग मानक लागू किये लेकिन देखिए बस न केवल धड़ल्ले से मनमानी रूट पर दौड़ रही हैं वहीं क्षमता से अधिक सवारी पर कोई रोक भी नहीं है!

आँकड़े बताते हैं कि 76 प्रतिशत दुर्घटनाएँ तेज रफ्तार, ओवरटेक और गलत साइड पर गाड़ी चलाने से होती हैं। यह यातायात नियमों का उल्लंघन नहीं तो और क्या है? बाणसागर नहर हादसा भी इसी का नतीजा है। सड़क पर दौड़ रहे सार्वजनिक वाहनों पर निगरानी के लिए कोई विश्वनीय व्यवस्था नहीं है। इण्टेलीजेण्ट ट्रैफिक मैनेजमेण्ट सिस्टम यानी आईटीएमएस को ही चकमा देने जैसी कई सच्चाइयाँ भी सामने आई हैं। खुद हमारा परिवार भी सतना यातायात का पीड़ित है। 26 दिसंबर 2020 का ई-चालान रूपी फरमान पहुँचा जिसमें हमारी बाइक का नंबर का उपयोग कर धड़ल्ले से तीन सवारी बैठा घूम रहा है। उस फर्जी नंबर प्लेट वाले को बजाए ढूढ़ने के फोटो वाला समन शुल्क ई-चालान भेज जुर्माना भरने का हुक्म हुआ। हैरानी होती है कि चालान कागज में किसी और कंपनी की बाइक दिख रही है और वास्तविक वाहन किसी और कंपनी का है। उसमें फर्जी वाहन में हाई सिक्यूरिटी नंबर प्लेट और एलॉय व्हील हैं। कर्तव्यों की इतिश्री करने वाले पते पर वापसी डाक से ही हकीकत को रू-ब-रू कराया गया लेकिन पूरे मामले पर अभीतक चुप्पी साधी हुई है। यकीनन यह सब गंभीर और चिन्तनीय है। अब इसे क्या कहें क्योंकि यहाँ तो आर्टीफीसियल इण्टेलीजेन्स को ही धोखा दिया गया जो बेहद चिन्तनीय है।

लगता है कि कानून में सख्ती के बावजूद सिस्टम का लचर हो जाना ही बड़ा कारण है जिससे न तो सड़क दुर्घटनाएँ ही कम रही हैं और न मौतों का आँकड़ा थम रहा है। इसके अलावा बीच शहर धड़ल्ले से फर्जीवाड़ा कर आर्टीफीसियल इण्टेलीजेंस को ही चुनौती देना बहुत बड़ा अपराध है। बाणसागर बस दुर्घटना भी तंत्र की लापरवाही और मिलीभगत का नतीजा है। वरना बस बदले रूट पर वह भी 32 यात्रियों की क्षमता से अधिक करीब 60 सवारियों को ठूंसकर कैसे फर्राटे भरती? सख्त कानूनों के बावजूद सीख लेते हुए ऐसा दोबारा नहीं हो इसकी क्या गारण्टी?

खराब और गड्ढे से भरी घुमावदार सड़कें, ऊपर से मनमाने स्पीड ब्रेकर, सड़कों पर पड़े पत्थर-बोल्डर से निजात मिलना बेमानी सा लगने लगा है। जबकि हकीकत यह है कि भारत में सड़कों पर ईंधनयुक्त वाहनों का उपयोग करने वालों को तीन तरह के टैक्स भरपूर चुकाने पड़ते हैं। पहला तो रोड टैक्स, दूसरा रोड सेस जो प्रत्येक प्रति लीटर पेट्रोल-डीजल पर 10 रुपए से भी ज्यादा है, साथ ही एक्साइज ड्यूटी और वैट भी। तीसरा टैक्स टोल टैक्स के रूप में फर्राटेदार सड़कों के नाम पर रेडियो फ्रिक्वेंसी युक्त शानदर व्यवस्था फास्टटैग से 16 फरवरी से ही जरूरी हो गया है वरना भारी जुर्माना। बावजूद इसके सड़कें टैक्स के मुकाबले फीकी और बदतर ही नजर आती हैं।

परिवहन तंत्र लाखों रुपए कीमत की साधारण व लग्जरी बसों में जीपीएस और सीसीटीवी कैमरों को जरूरी कर क्षेत्रवार या राज्यवार निगरानी तंत्र विकसित करता जो इजराइल की तरह कैमरे की नजर से वीडियो कंटेंट ऐनालिसिस के विकसित सिस्टम से लैस हो जिसमें वो तस्वीरें खुद-ब-खुद स्क्रीन पर डिस्प्ले होने लगें जिन्हें पहचानने की कमाण्ड उन्नत कंप्यूटरों में फीड हो। इससे तेज रफ्तार और गलत तरीके से चलता, भिड़ता या भागता ऑब्जेक्ट यानी वाहन, सड़क पार करने में हुई हड़बड़ी या गड़बड़ी, यहां तक कि अगर कहीं आग लग जाए या दुर्घटना हो जाए तो सीधी तस्वीरें खुद कंट्रोल सेन्टर में अपने आप डिस्प्ले होने लग जाएँ। फौरन पता चल जाए कहाँ क्या हो रहा है। काश भारत में सड़क दुर्घटनाओं में मौतों के आँकड़ों को कम करने के लिए ऐसे तकनीक व सुरक्षा तंत्रों को भी विकसित किया जाता जो अब मुश्किल नहीं है ताकि कह सकें हमारी सड़कें व सड़कों पर चलने वाले महफूज रहेंगे।

कृषि कानून में नहीं, नेताओं के मन में काला

सियाराम पांडेय

किसान आंदोलन सुर्खियों में है। सड़क से लेकर संसद तक किसान आंदोलन चर्चा के केंद्र में है। केंद्र सरकार द्वारा पास तीन कृषि कानूनों का विरोध हो रहा है। उसे काला कानून बताकर वापस लेने की मांग की जा रही है। जो दल आज कह रहा है कि सत्ता में आए तो तीनों कानून रद्द करेंगे, जब उस दल की सरकार थी तो इसी तरह का कानून लाने की वकालत कर रही थी। आज वह विपक्ष में है तो इस कानून में काला नजर आ रहा है। सत्ता पक्ष कह रहा है कि रंग नहीं, कानून का संदर्भ देखो। विरोध में संदर्भ देखने की परंपरा नहीं है। विरोध तो बस खत्म करने में यकीन रखता है।

किसान नेताओं के अपने तर्क हैं। न मंच टूटेगा और न किसान मोर्चा टूटेगा। 26 जनवरी से भी बड़ा आंदोलन होगा। पहले चार लाख ट्रैक्टर लाए थे, अब चालीस लाख लाएंगे। एक किसान नेता कह रहा है कि सरकार गिराने का उसका इरादा नहीं, सरकार बस किसानों की समस्या हल करे। किसान मोर्चा के दो नेता कह रहे हैं कि जब हरियाणा सरकार गिरेगी तब केंद्र को किसानों की ताकत का पता चलेगा। बात जोर-आजमाइश की हो रही है। समूचा किसान आंदोलन भटका हुआ है।

सत्ता पक्ष को पता है कि यह आंदोलन सभी किसानों का नहीं है, मुट्ठी भर बड़े किसानों का है। लेकिन इसके राजनीतिकरण को लेकर वह परेशान भी है। प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि माओवादियों, खालिस्तानी आतंकवादियों की रिहाई की मांग कर आन्दोलनजीवियों ने किसानों के आंदोलन को अपवित्र कर दिया है। टेलीफोन वायर तोड़ने, टोल प्लाजा पर कब्जा करने पर उन्होंने चिंता जाहिर की है। आन्दोलनजीवियों पर निशाना भी साधा है, यह भी कहा है कि जो लोग अपना आंदोलन खड़ा नहीं कर पाते, वे किसी के भी आंदोलन का हिस्सा बन जाते हैं। चौधरी चरण सिंह, डॉ. मनमोहन सिंह के नजरिये का उल्लेख कर उन्होंने आन्दोलनजीवियों को आईना भी दिखाया है। कांग्रेस पर तो सीधा हमला किया है और यहां तक कह दिया है कि कांग्रेस न अपना भला कर सकती है और न देश का। संसद में हंगामे की वजह उन्होंने विपक्ष के भय को बताया है। उनके हिसाब से हंगामा इसलिए हो रहा है कि कुछ लोग चाहते हैं कि जो झूठ किसान कानूनों को लेकर उन्होंने फैलाया है, उसे लोग जान न जाएं। उसका पर्दाफाश न हो जाए। उन्होंने किसानों से भी यह पूछा है कि नए कानूनों के पास होने के बाद उनका कौन-सा पूर्व का अधिकार छिन गया है। उन्होंने विपक्ष के तर्कों पर भी प्रहार किया है कि जब किसान कृषि सुधार कानून मांग ही नहीं रहे तो आप कानून क्यों ले आए। इसपर प्रधानमंत्री ने कहा है कि मांगने के लिए मजबूर करने वाली सोच लोकतंत्र की सोच नहीं हो सकती। प्रधानमंत्री ने आन्दोलनजीवियों और आंदोलनकारियों के बीच का फर्क किए जाने पर जोर दिया है। इससे सबक लेने की बजाय राजनीतिक दल आन्दोलनजीवी की बांग लगाने लगे हैं। कुछ खुद को आन्दोलनवादी कहने लगे हैं। आंदोलन पवित्र तभी होता है, जब उसमें मिलावट न हो। राजनीतिक घालमेल न हो। इस आंदोलन को तो पहले दिन से ही राजनीतिक समर्थन रहा है। आज भी है। किसान आंदोलन तो बहाना है, निशाना कहीं और है। जिस तरह इस आंदोलन को विदेशी फंडिंग हो रही है, उसे भी हल्के में नहीं लिया जा सकता। राकेश टिकैत एक ओर तो यह कहते नजर आते हैं कि सरकार आंदोलन को लंबा खींचना चाहती है, दूसरी ओर वे खुद अक्टूबर-नवम्बर तक आंदोलन को चलाने की बात कर रहे हैं। इस विरोधाभास को किस तरह देखा जाएगा? किसान आंदोलन के चलते विपक्ष देश में, खासकर उत्तर प्रदेश में अपनी राजनीतिक जड़ें मजबूत करना चाहता है लेकिन जनता सब जानती है कि कौन क्या कर रहा है। अच्छा होता कि आंदोलन की पवित्रता-अपवित्रता के मकड़जाल में फंसने की बजाय उसे खत्म करने-कराने पर विचार होता।

मुझे खुद को बचाने की कोई इच्छा नहीं थी, और मैंने कभी इसके बारे में गंभीरता से नहीं सोचा।
- भगत सिंह

एक नजर

नहर में उतराया मिला शव,मचा हड़कंप

आलमबाग (क्राइम रिव्यू)। कृष्णा नगर कोतवाली क्षेत्र से निकली एक नहर में शनिवार सुबह युवक का उतराया शव देख क्षेत्र में हड़कंप मच गया।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवा शिनाख्त करा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कृष्णा नगर कोतवाली प्रभारी के मुताबिक भोला खेड़ा पुलिस चौकी के निकट निकली छोटी नहर में एक युवक का उतराया हुआ शव मिला है जिसे स्थानीय लोगो की मदद से बाहर निकाल शिनाख्त कराया गया है।मृतक की शिनाख्त उसके बड़े भाई न्यू भोला खेड़ा निवासी अमरनाथ ने जितेंद्र पुत्र होरीलाल के रूप में किया है। मृतक पांच भाइयों में चौथे नंबर का भाई है जो मानसिक रूप से बीमार था और मिर्गी के दौरे भी पड़ते थे चौबीस घंटों से घर से लापता था जिसकी परिजन तलाश कर रहे थे।मृतक का शिनाख्त हो जाने पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

ट्राली से गिरकर किशोर की मौत

बलरामपुर (क्राइम रिव्यू)। तुलसीपुर थाना क्षेत्र के जरवा रोड नकटी नाला के पास रविवार को ट्रैक्टर-ट्राली से कुचलकर किशोर की मौत हो गई है। किशोर उसी ट्रैक्टर-ट्राली पर सवार था। ट्रैक्टर ट्राली पर सभी सवार देवीपाटन जा रहे थे। गैसड़ी थाना क्षेत्र के विशुनपुर कलां ग्राम से मुंडन संस्कार में ट्रैक्टर ट्राली से शामिल होने आ रहे थे। इसी बीच तुलसीपुर के नकटी नाले के पास सवार मनीराम उर्फ गुल्ले (14) टैक्टर ट्राली से गिर गया। जिस पर टैक्टर का पहिया चढ़ जाने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना में चालक ट्रैक्टर को छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्राली को कब्जे में लेते हुए कार्रवाई में जुटी है। प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरु कर दी।

पकड़ा गया रोटियों पर थूक लगाने वाला

मेरठ। मेडिकल थाना क्षेत्र के अरोमा गार्डन हाउस में शादी समारोह में रोटियों पर थूक लगाने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं और एक महिला वकील ने आरोपित की जमकर पिटाई की। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में नान बना रहा युवक रोटियों पर थूक लगाता नजर आ रहा था। जिसके बाद शनिवार को हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने हंगामा करते हुए मेडिकल थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने आरोपित की पहचान कर ली और रात को पुलिस ने आरोपित नौशाद पुत्र अख्तर को लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के समर गार्डन कॉलोनी स्थित उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं और एक महिला एडवोकेट ने आरोपित की जमकर पिटाई की। पुलिस ने किसी तरह से आरोपित को बचाया और उसे लेकर थाने पहुंची। थाना प्रभारी मेडिकल ने बताया कि आरोपित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

राजाजीपुरम में व्यापारियों ने पुलिस को सम्मानित किया

लखनऊ (क्राइम रिव्यू)।राजाजीपुरम परिक्षेत्र उद्योग व्यापार मंडल की ओर से रविवार को डी ब्लॉक स्थित शुभकामना गेस्ट हाउस में समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस आयुक्त पश्चिमी सहित इंस्पेक्टर बाजारखाला धनंजय सिंह व इंस्पेक्टर तालकटोरा संजय राय को अंगवस्त्र व पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर व्यापारियों ने पुलिस से अपनी समस्याएं बताईं और क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की। अधिकारियों ने उनका समाधान करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में संगठन के अध्यक्ष उमेश शर्मा सहित सुशील तिवारी सोनू पंडित, सौरभ शर्मा, सुधीर अवस्थी, राम नरेश यादव, कुंवर बहादुर, दीपक सहगल, अनूप द्विवेदी, पुष्कर पांडे, राजीव खुराना, दीपक गुप्ता, शिव स्वरूप गुप्ता व रोली सिन्हा मौजूद रहे।

लोहार का काम करने वाला गिरधारी बन गया शॉप शूटर, 16 साल पहले की थी पहली हत्या

क्राइम रिव्यू

लखनऊ।बनारस के लखनपुर में रहने वाला गिरधारी विश्वकर्मा उर्फ कन्हैया उर्फ डॉक्टर 2001 से अपराध की दुनिया में सक्रिया था। इससे पहले वह लोहार का काम करता था और एक दूकान भी उसने खोली थी। गिरधारी पर 2001 में पहला मुकदमा लूट का दर्ज किया गया था, जिसमें वह जेल भी गया था। 2005 में उसने पहली हत्या की थी और इसके बाद वह शार्प शूटर बन गया। हिस्ट्रीशीटर गिरधारी का आतंक वाराणसी, मऊ, आजमगढ़, जौनपुर, लखनऊ के साथ दिल्ली और मुंबई तक था।

11 फरवरी को पकड़ा गया

11 जनवरी को नई दिल्ली से गिरधारी गिरफ्तार किया गया था। लखनऊ पुलिस अदालत की अनुमति से उसे यहां रिमांड पर पूछताछ के लिए लाई थी। नितेश की हत्या के संबंध में पूछताछ के लिए वाराणसी पुलिस भी लखनऊ आई थी। पूछताछ जारी ही थी कि पुलिस अभिरक्षा से गिरधारी ने भागने का प्रयास किया और मुठभेड़ में मारा गया।

सफेदपोश का था शागिर्द

2000 तक गिरधारी चोलापुर क्षेत्र के ही एक सफेदपोश का शागिर्द था और छोटे मोटे झगड़ों में उसका नाम सामने आता था। लोग बताते हैं कि सफेदपोश के संरक्षण में आने से पहले गिरधारी की एक छोटी सी दुकान थी।

दोनों हाथों से चलाता था गोली

शार्प शूटर गिरधारी दोनों हाथ से गोली चलाने में माहिर था और इस पर 2010 में 50 हजार का इनाम घोषित किया गया था। 2019 में हुई नितेश की हत्या के बाद इस पर एक लाख रुपए का इनाम घोषित कर दिया गया था।

पूर्व बाहुबली सांसद का संरक्षण

पुलिस के सूत्रों ने बताया कि गिरधारी जब पूर्वांचल में अपराध करता था तो एक पूर्व बाहुबली सांसद उसे मुंबई में सुरक्षित ठिकाना दिलाता था। दावा यह भी किया जा रहा है कि इस पूर्व सांसद की मदद से ही दिल्ली में गिरधारी को गिरफ्तार किया गया था। गिरधारी मऊ के मुहम्मदबाद गोहना क्षेत्र से ब्लाक प्रमुख का चुनाव लडना़ चाहता था।

गिरधारी की मौत से पूर्वांचल के कई सफेदपोश सुकून में

लखनऊ। गिरधारी की मौत के साथ ही आशंका जताई जा रही है कि अब वाराणसी के सारनाथ थाने के हिस्ट्रीशीटर नितेश सिंह उर्फ बबलू की हत्या कहीं राज बनकर न रह जाए। यह भी आशंका जताई जा रही है कि अब शायद यह भी न पता चले कि अजीत सिंह की हत्या की साजिश रचने वालों में ध्रुव सिंह और कुंटू सिंह के साथ और कौन-कौन सफेदपोश शामिल थे। सूत्रों के मुताबिक गिरधारी की मौत से पूर्वांचल के एक पूर्व बाहुबली सांसद के अलावा चंदौली, जौनपुर, मऊ, आजमगढ़ के कई सफेदपोशों को राहत मिली है. इन सभी को डर था कि पुलिस पूछताछ में कुछ ऐसा न आ जाए जिससे उन्हें दिक्कत हो जाए। हालांकि सूत्र बताते हैं कि पुलिस गिरधारी से पूछताछ में अजीत और नितेश हत्याकांड से जुड़ी कुछ अहम जानकारी हासिल कर चुकी है।

गिरधारी का आपराधिक इतिहास

- गिरधारी पर दर्ज थे 23 मुकदमें
- 30 सितंबर 2019 को नितेश सिंह की हत्या की थी।
- 23 मुकदमें दर्ज थे पुलिस डोजियर के अनुसार गिरधारी पर
- 6 जनवरी को विभूतिखंड में हुई अजीत सिंह की हत्या में नाम आया।

उन्नाव प्रकरण- 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए दोनों आरोपित, दूसरा निकला बालिग

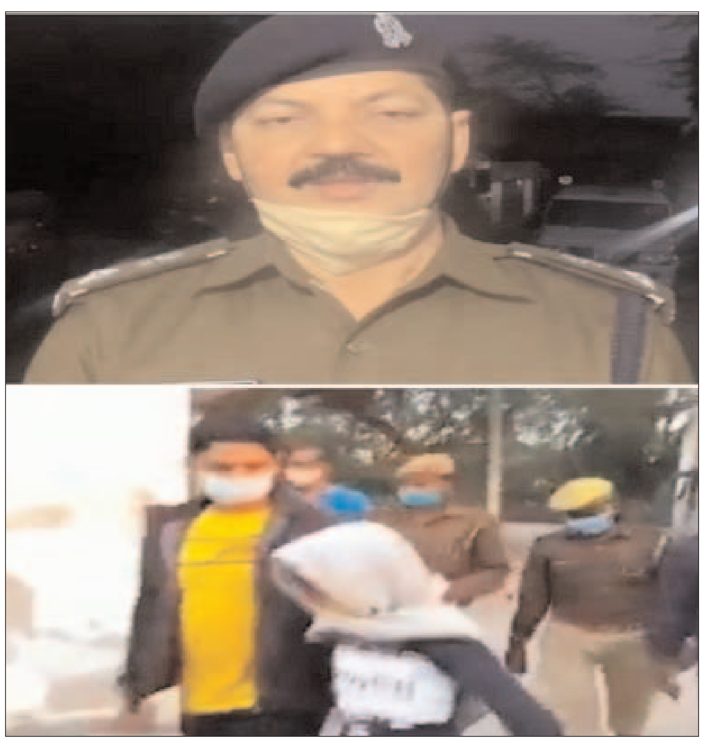

क्राइम रिव्यू

उन्नाव। जिले में बबुरहा गांव में बुआ-भतीजी की हत्या और चचेरी बहन के गंभीर होने के मामले में पकड़े गए दोनों आरोपितों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। खुद को नाबालिग बताने वाला एक आरोपित आधार कार्ड की जांच में बालिग पाया गया है।

अपर पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार पाण्डेय ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि उन्नाव प्रकरण में पकड़े गए दोनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है। पकड़े गए दोनों आरोपितों में से एक आरोपित ने खुद को नाबालिग बताया था। इसके बाद पुलिस ने उसे बाल सुधार गृह भेज दिया था। लेकिन उसके आधार कार्ड की जांच की गई तो वह बालिग पाया गया है, जिसके चलते उसे भी न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि जनपद के बबुरहा गांव में बुआ-भतीजी की हत्या और एक किशोरी के गंभीर होने के मामले का खुलासा पुलिस ने कर दिया है। पुलिस का दावा है कि एकतरफा प्रेम में युवक विनय ने अपने साथी साथ मिलकर कीटनाशक मिलाकर एक किशोरी को पानी पिलाया। यह पानी उसके अलावा उसके साथ मौजूद बुआ-भतीजी ने भी पिया था। इससे उनकी मौत हो थी। जबकि एक किशोरी कानपुर के अस्पताल में भर्ती है। आरोपित ने अपना गुनाह स्वीकार कर बताया कि उसने ही वारदात को अंजाम दिया है। जिसे मारना चाहता था, वह किशोरी बच गई। उसका इलाज चल रहा है।

दंगाइयों पर नियंत्रण को पहले की पानी की बौछार, ना मानने पर भांजी लाठी

मार्कड्रील

मोहनलालगंज। दंगा नियंत्रण के लिए लखनऊ कमिश्नरेट की दक्षिणी जोन पुलिस ने शनिवार को मोहनलालगंज में मॉकड्रिल किया। पुलिसकर्मियों ने मुस्तैदी के साथ दंगा को नियंत्रण करने के लिए अलग अलग विधि का प्रदर्शन किया। मॉक ड्रिल में कमी देख अधिकारियों ने उसे सुधारने का निर्देश दिया।मोहनलालगंज कस्बे के गोसाईगंज तिराहे पर डीसीपी रवि कुमार की देखरेख में पुलिसकर्मियों ने दंगा नियंत्रण का मॉक ड्रिल किया। पुलिसकर्मी व पीएसी को दो गुटों में बाटा गया।तहसील में रजिस्ट्री के दौरान दो समुदायो के बीच हुये विवाद के बाद दोनो समुदाय द्वारा अपने -अपने लोगो को बुलाने पर दंगा भड़कने का शीन क्रीयेट किया गया।जिसके बाद सड़क पर अचानक दगाईयों के आने पर एक गुट दंगा करने वाले और दूसरी तरफ पुलिसकर्मी थे।अधिकारियों के निर्देश पर मॉक ड्रिल शुरू हुआ।नारेबाजी के साथ आंदोलन कर रहे दंगाइयों आक्रोशित होकर पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया।मोहनलालगंज इंस्पेक्टर दीनानाथ मिश्रा ने वायरलेस सेट पर दंगा होने की बात कहते हुये अन्य थानो से सहायता मांगी जिसके बाद गोसाईगंज,नगराम,सुशान्त गोल्फ सिटी के प्रभारी निरीक्षक पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे।पुलिस ने दंगाइयों को समझाने का प्रयास किया लेकिन उन्होंने पुलिसकर्मियों को दौड़ा दिया।दमकलकर्मियों ने पानी डाला इसके बाद भी वे नहीं हटे।पुलिस ने अधिकारियों की अनुमति से लाठीचार्ज किया।जिसके बाद वो तितर बितर हुये,इस दौरान कुछ पुलिसकर्मी घायल हुये उन्हे स्ट्रेचर में लिटाकर एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा गया।जिसके बाद दंगाईयों को गिरफ्तार कर स्थित को नियंत्रण किया जाता है।वही बाहर से आये अन्य दंगाई कस्बे में प्रवेश कर माहौल ना खराब कर सके इसके लिये कस्बे के बाहर अलग अलग पुलिस टीमो को मुस्तैद कर नाकेबंदी की जाती है। पूर्वाभ्यास के दौरान डीसीपी रवि कुमार ने बताया कि जब कहीं भी दंगा हो जाए तो सबसे पहले दंगाइयों से बातचीत की जाए। जब न मानें तो आंसू गैस के गोले दागे जाए। फिर भी न मानें तो लाठीचार्ज किया जाए। इसके बावजूद भी जब हालात काबू में न आए ओर आप के जान माल पर पर आ जाये तो अपने बचाव के लिये फायरिग करे। यह ध्यान रहे फायरिगं से किसी की जान न जा सके। वहीं डीसीपी ने बताया आगामी पंचायत चुनाव सहित होली पर्व के दौरान दंगा सहित किसी भी तरह की स्थित को कंट्रोल करने के लिए मॉकड्रिल की गयी। किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस एक दम तैयार है।मार्कड्रिल के दौरान एडीसीपी पुर्णेन्दु सिहं,मोहनलालगंज एसीपी दिलीप कुमार सिहं,एल आईयू सहित पुलिस टीमें मौजूद रही।

मोहनलालगंज में दंगा नियंत्रण के लिये डीसीपी दक्षिणी के नेतृत्व में पुलिस ने की मार्कड्रिल

अवध महोत्सव में अनेक धर्माचार्य अवध गौरव सम्मान से सम्मानित

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। अवध महोत्सव की 17वीं संध्या में आयोजित धर्म संसद मे प्रगति पर्यावरण संरक्षण के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह और उपाध्यक्ष एन बी सिंह ने दैवज्ञ स्वामी प्रद्युम्न प्रिया चार्य जी महाराज श्री धामअयोध्या, विशिष्ट अतिथि स्वामी हरिनारायणाचार्य जी महाराज ब्रह्मर्षि वशिष्ठ वेद पीठम श्रीधाम अयोध्या, बाबा आशुतोशाम्बर जी महाराज दिल्ली, महादेव बाबा सर्वतो भद्र पुजारी परिषद लखनऊ, आचार्य विष्णु प्रमोद जी महाराज, ब्रह्मऋषि जमदग्नि जी महाराज, स्वामी देवेशआचार्य जी महाराज विजय राघव मंदिर डेहरी आन सोन, बाबा राम कृष्ण दास जी महाराज श्रीधामअयोध्या, प्रभांशु तिवारी जी काशी और आचार्य रत्नेश मिश्र लक्ष्मी नारायण मंदिर चक्रतीर्थ नैमिषारण्य को पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंटकर अवध गौरव सम्मान से सम्मानित किया। धर्म संसद में धर्माचार्यों ने सही मार्ग पर चलने के लिए सभी को प्रेरित किया। सभी ने गाय को मां का दर्जा देते हुए उनकी सेवा श्रूषा करने पर बल दिया। वहीं पर्यावरण, जल और वायु को स्वचछ रखने का लोगों को संकल्प दिलाया।

टावर विजन इंडिया प्रालि के टावर से बैट्रियां चोरी, दी तहरीर

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सभा सरथुआ में बेखौफ बदमाशों ने वहां लगे टावर का ताला तोड़कर,जनरेटर,और पावर सेल की बैटरियां चोरी कर ले गए, टावर के प्रभारी तकनीशियन के मोबाइल पर अलार्म बजने से उसे जानकारी हुई,मौके पर जाकर देखा तो ताला टूटा हुआ था,तत्काल 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी और, पीजीआई कोतवाली पहुंचकर तहरीर दी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- **तकनीशियन के मोबाइल पर अलार्म बजने से हुई जानकारी**

पुलिस को तहरीर देने के बाद विजन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के टावर के प्रभारी तकनीशियन अंगद प्रजापति ने बताया कि शनिवार सुबह करीब चार से पांच बजे के बीच अलार्म बजने लगा,देखा तो पता लगा कि टावर की आउट पुट कम हो गई है।मौके पर जाकर देखा तो ताला टूटा हुआ है, पावर बैंक के 6 सेल,और जेनरेटर का ताला तोड़कर एक बैटरी चोर लूट ले गए हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जीपी इलेवन व क्रिकेट बाडीज फाइनल में

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। तृतीय वीजीपी वर्मा मेमोरियल क्रिकेट टूर्नाटमेंट का फाइनल जीपी इलेवन व क्रिकेट बाडीज के बीच खेला जाएगा। रविवार को खेले गए पहले सेमीफाइनल में जीपी इलेवन ने चंदन हॉस्पिटल को 34 रन व क्रिकेट बाडीज ने सेरेमिक वर्ल्ड को 28 रन से हराकर फाइनल प्रवेश किया है।

जानकीपुरम सहारा स्टेट ग्राउंड में टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल में जीपी इलेवन ने पहले खेलते हुए निर्धारित 20 ओवर 8 विकेट खोकर 133 रन बनाए। जिसमे हिमांशु वार्ष्णेय 31रन, राम प्रकाश 20, अनिल लाल 16, प्रशांत गुप्ता 14 व मनीष सिंह 13 रन का योगदान दिया। जीपी इलेवन के कप्तान प्रदीप वर्मा की शानदार गेंदबाजी (20 रन पर दो विकेट) के कारण चंदन हॉस्पिटल 9 विकेट पर 99 रन ही बना सकी। प्रदीप वर्मा को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे सेमीफाइल में क्रिकेट बाडीज ने अमिताभ पाठक 39 रन व 19 पर तीन के हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर सेरेमिक वर्ल्ड को 28 रन से हरा दिया। क्रिकेट बाडीज ने पहले खेलते हुए

शिशिर पाण्डेय 29 व शैलेन्द्र 31 की मदद से 5 विकेट पर 129 रन बनाए। सेरेमिक वर्ल्ड 101 रन पर ही सिमट गई। अमिताभ को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

लखनऊ। एहसास जन सेवा समिति द्वारा मोहिबुल्लापुर क्षेत्र के कृष्णा लीला पार्क में निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ब्लड प्रेशर की जांच, ऑक्सीजन लेवल, पल्स रेट व ब्लड शुगर की निःशुल्क जांच की गई। शिविर में लगभग 200 लोगों ने निशुल्क परामर्श का लाभ उठाया। शिविर में डॉ रोहित यादव, डॉ अभिषेक, डॉ आकांक्षा सिंह, डॉ अमित कुमार यादव, डॉ जगेश्वर यादव ने स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष राजेश शर्मा व उपाध्यक्ष कुमारी प्रीति यादव आदि उपस्थित रही।

हमारे पड़ोसी कहते है की एक हाथ से ताली नही बजती, हमने हमने कहा चुटकी तो बज ही सकती है
- अटल बिहारी बाजपेयी

घर से निकली बालिका से सामूहिक दुष्कर्म, 3 गिरफ्तार

क्राइम रिव्यू

कानपुर। जिले के घाटमपुर थाना क्षेत्र में नाबालिग के साथ जबरन तीन लोगों द्वारा दुष्कर्म किए जाने की घटना प्रकाश में आई है। बेटी के साथ हुई दरिंदगी की इस घटना को लेकर परिजनों द्वारा तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। शनिवार देर शाम सभी तीनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार करते हुए पीड़ित किशोरी को मेडिकल जांच के लिए भेजा है।

बताते चलें कि, घाटमपुर थाना क्षेत्र स्थित ग्राम गिरसी में रहने वाली 17 वर्षीय बालिका घर से शुक्रवार की शाम निकली थी। तभी गांव के रहने वाले छोटू उर्फ अनुराग ने साथी दादा राम व एक अन्य के साथ उसे घेर लिया। तीनों ने उसे जबरन पकड़ते हुए मोटरसाइकिल पर बैठाकर नहर किनारे ले गए, जहां उन्होंने उसके साथ दरिंदगी भरा कृत्य करते हुए दुष्कर्म की घटना अंजाम दी गई।

किसी तरह से छूट कर बालिका घर पहुंची और आपबीती परिजनों को बताई। मामले की जानकारी पर परिजनों के होश उड़ गए और उन्होंने घटना की जानकारी थाना पुलिस को दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरु कर दी।

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बृजेश श्रीवास्तव ने शनिवार की देर शाम बताया बालिका से दुष्कर्म मामले में तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। बालिका को मेडिकल परीक्षण कराते हुए विधिक कार्रवाई घटाने की जा रही है।

जेंटलमैन के बाद इंटेलिजेंट भी बनाएगी पुलिस

- लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट शहर में तीन जगहों पर खोलेगी बुक बैंक
- स्कूल से लेकर कंप्टीशन तक की किताबें मिलेगी फ्री ऑफ कास्ट

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट जेंटलमैन के बाद अब बच्चों और यूथ को इंटेलिजेंट बनाएगी। कपड़ा बैंक के बाद पुलिस शहर में तीन जगहों पर बुक बैंक खोलने जा रही है ताकि शहर के विभिन्न इलाके के जरूरतमंद बच्चे और युवा अपनी सहुलियत के अनुसार वहां पहुंच सकें। पैसों के अभाव में उनकी पढ़ाई न रुके। स्कूल, कॉलेज और प्रतियोगी परीक्षा से जुड़ी किताबें बुक बैंक में फ्री ऑफ कास्ट मिलेगी। बुक बैंक में न तो पैसा देने की जरूरत है और न ही किताबें वापस करने की बाध्यता।

महंगी किताबें के खर्च से मिलेगी निजात

छोटे शहर से आकर लखनऊ में रहकर पढ़ाई करना काफी महंगा होता है। महंगी किताबें खरीदना, कोचिंग, रहना यह सब आम आदमी के बस के बाहर है। अगर प्रतियोगी परीक्षा की महंगी किताब बिना पैसे के मिलें तो पढ़ाई का खर्च आधा हो सकता है और बड़ी संख्या में यूथ प्रतियोगी परीक्षा पास कर देश की सेवा कर सकें। इसी सोच को लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट जमीन स्तर पर उतारने की तैयारी कर रहा है।

यह मिलेंगी बुक बैंक में किताबें

- प्रतियोगी परीक्षा से संबंधित किताबें
- स्कूल और कॉलेज की किताबें
- नए अविष्कार और विज्ञान, कंप्यूटर से जुड़ी किताबें
- एग्रीकल्चर और रोजगार से संबंधित किताबें
- इतिहासकार और साहित्यकार की किताबें
- प्राचीन कॉल से जुड़ी वैज्ञानिक और रोचक कहानियों की किताबें
- देश की राजनीत से जुड़ी और फेमस हस्तियों की आत्मकथा की किताबें

यह लाइब्रेरी तैयार करने में करेंगे मदद

- अनएडेड स्कूल एसोसिएशन
- एनसीआरटी
- विभिन्न पब्लिकेशन ग्रुप
- अन्य सामाजिक संस्थान

इन जगहों पर बनाया जाएगा बुक बैंक

- इंदिरा नगर के खुर्रमनगर इलाके में
- विभूतिखंड थाना कैंपस में
- तीसरे स्थान को किया जा रहा चिन्हित

ऐसे प्राप्त कर सकते हैं किताबें

कपड़ा बैंक की तरह ही शहर में तीन जगह बुक बैंक बनाया जाएगा, जहां पुलिस कर्मियों के साथ-साथ लाइब्रेरियन की भी ड्यूटी रहेगी। लाइब्रेरी में बच्चे अपने मनपसंद की किताब खुद निकाल सकेंगे और आधार कार्ड की कापी देकर किताब फ्री में ले सकेंगे।

वापस न करने की कोई बाध्यता नहीं

बुक बैंक से किताब लेकर जाने वाले स्कूली बच्चों व यूथ को उन्हें वापस करने की बाध्यता नहीं होगी. एक बार किताब लेने के बाद वह दोबारा भी अपने विषय से संबंधित किताब ले सकते हैं। अगर पहले ली गई किताब की उन्हें जरूरत नहीं है तो उसे वापस कर सकते हैं ताकि उन किताबों का लाभ अन्य लोगों को भी मिल सके।

कपड़ा बैंक की तरह ही जल्द ही बुक बैंक बनाया जाएगा। यह बुक बैंक शहर के तीन अलग-अलग हिस्से में बनाया जाएगा ताकि जरूरतमंद बच्चों व यूथ अपनी सहुलियत के अनुसार वहां पहुंच सकें. बुक बैंक में किताबें फ्री ऑफ कास्ट दी जाएंगी। केवल आधार कार्ड की कॉपी ली जाएगी। इससे पढने वाले जरूरतमंद बच्चों व यूथ को भविष्य बनाने में बहुत मदद मिलेगी। यूपी में पहला बुक बैंक होगा जहां न कोई फीस देनी होगी और न ही बुक वापस करनी होगी।
- नवीन अरोड़ा, ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर लॉ एंड आर्डर लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट

बुक बैंक में एनसीआरटी से संबंधित किताबों के अलावा अपने शहर के कई स्कूल भी बुक बैंक की लाइब्रेरी बनाने में मदद करेंगे। स्कूल के साथ-साथ पब्लिकेशन से सभी संपर्क कर जरूरत की किताबें उपलब्ध कराई जाएंगी।लखनऊ पुलिस कमिश्नेरट की यह अच्छी पहल है और हम इसमें पूरा सहयोग करेंगे।
-अनिल अग्रवाल, प्रेसीडेंट, अनएडेड स्कूल एसोसिएशन

आईआरसीटीसी पर्यटकों को 18 मार्च से कराएगा केरल की सैर, लखनऊ में बुकिंग शुरू

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) 18 मार्च से पर्यटकों को केरल की सैर कराएगा। इसके लिए लखनऊ के गोमती नगर स्थित पर्यटन भवन मुख्यालय और आईआरसीटीसी की वेबसाइट से बुकिंग शुरू हो गई है।

आईआरसीटीसी के मुताबिक, केरल की सैर के लिए पैकेज लांच कर दिया गया है। केरल यात्रा 18 मार्च से लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से शुरू होगी। बेंगलुरु होकर कोच्चि तक विमान से यात्रा कराई जाएगी। यह यात्रा 24 मार्च को लखनऊ आकर समाप्त होगी।

आईआरसीटीसी के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक अनिल गुप्ता ने शनिवार को बताया कि केरल की सैर के दौरान मुन्नार में चियापारा वाटरफॉल, टी म्यूजियम, कथकली डांस, मट्टूपट्टी बांध, ईको प्वाइंट, थकेडी में पेरियार वाइल्ड लाइफ, सेंचुरी में बोटिंग और अलेप्पी में समुद्र तट आदि का भ्रमण कराया जाएगा।

उन्होंने बताया कि आईआरसीटीसी पर्यटकों को तीन सितारा होटल में ठहरने और एसी वाहनों से स्थानीय भ्रमण की व्यवस्था करेगा। दो यात्रियों के एक साथ ठहरने पर प्रति यात्री 39,600 रुपये और तीन व्यक्तियों के एक साथ होटल में ठहरने पर प्रति यात्री 37,550 रुपये देने होंगे। इस पैकेज के लिए बुकिंग आईआरसीटीसी के गोमती नगर स्थित पर्यटन भवन मुख्यालय और विभागीय वेबसाइट से कराई जा सकती है। इसके अलावा हेल्पलाइन नम्बर 8287930908, 8287930910 और 8287930911 पर भी फोन किया जा सकता है।

फर्जी दस्तावेज लगाकर लिया हाउस लोन, दम्पति गिरफ्तार

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। विकासनगर थाना पुलिस ने रविवार को फर्जी दस्तावेज के जरिए 19 लाख रुपये का हाउस लोन हड़पने वाले दम्पति को दबोचा है।

प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि पंजाब एंड सिन्ध बैंक विकासनगर के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक अरुण कुमार ने एक शिकायत दर्ज करायी थी। इसमें उन्होंने कहा कि ठाकुरगंज के बालागंज पुराना तोपखाना निवासी सौरभ द्विवेदी और उनकी पत्नी प्रिया द्विवेदी ने वर्ष 2018 में शिवालिक मर्के?न्टाइल कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड ?से फर्जी दस्तावेज लगाकर 19 लाख रुपये का हाउस लोन लिया था। इनके द्वारा लिया गया लोन का पैसा चुकाया नहीं जा रहा था। इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। इसके बाद से दोनों वांछित थे। एसीजेएम चतुर्थ ने 11 जनवरी को दोनों के खिलाफ वारंट जारी किया था। पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार करने के बाद दम्पति को जेल भेज दिया है।

स्कूल जाते समय व्यापारी की बेटी के अपहरण का प्रयास

बागपत । बागपत में शनिवार को स्कूल जाते समय एक व्यापारी की बेटी के अपहरण का प्रयास किया। छात्रा ने साहस दिखाते हुए खुद को बदमाशों की पकड़ से बचाया। पुलिस बदमाशों की धरपकड़ में जुटी है।

बागपत के कोर्ट रोड निवासी व्यापारी हीरा प्रजापति की शौकत मार्किट में कॉस्मेटिक की दुकान है। उनकी बेटी शगुन शहर के एक पब्लिक स्कूल में कक्षा सात में पढ़ती है। शनिवार को शगुन घर से पैदल स्कूल जा रही थी। जब वह स्कूल के निकट पहुंची तो स्कूल के पास खड़ी एक कार में चार लोग बैठे थे। छात्रा कार के पास से गुजरी तो कार में सवार एक व्यक्ति ने आवाज लगाकर छात्रा को बुलाया। निकट पहुंचते ही कार सवारों ने शगुन को जबरदस्ती कार में डालने का प्रयास किया गया। छात्रा ने हिम्मत दिखाते हुए शोर मचा दिया।

मौके पर मौजूद सफाईकर्मी और अन्य लोग छात्रा की आवाज सुनकर दौड़ पड़े। उन्हें देखकर कार सवार लोग फरार हो गए। लोगों ने कार का पीछा किया, लेकिन कार सवार फरार होने में कामयाब रहे। सूचना पर सीओ मंगल सिंह रावत और कोतवाली प्रभारी एनएस सिरोही ने मौके पर पहुंच कर मामले की जानकारी ली। कोतवाली प्रभारी एनएस सिरोही का कहना है कि प्रथमदृष्ट्या मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। जांच के आधार कार्रवाई की जाएगी।

लोहिया, अम्बेडकर के सिद्धांतों पर चलती रहेगी समाजवादी पार्टी: अखिलेश यादव

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि उनके दल में बड़ी संख्या में लोग जुड़ रहे हैं। सपा की विचारधारा को आगे बढ़ाने और समाजवादी सिद्धांतों को अपनाने के लिए लोग हमारे साथ आ रहे हैं। ऐसे सभी नेताओं को मैं भरोसा दिलाता हूं कि डॉ. राम मनोहर लोहिया से लेकर डॉ. भीमराव अम्बेडकर के विचारों के सिद्धांतों पर समाजवादी पार्टी चलती रहेगी।

पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर शनिवार को बसपा और अन्य राजनीतिक दलों से सपा में शामिल हुए लोगों का स्वागत करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि हमारी कोशिश रहेगी कि हर वर्ग के लोगों को अपने से जोड़े। सपा सभी वर्ग को जोड़ने में कामयाब हो गयी तो आने वाले समय में सपा की ही सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस पार्टी से उषा मौर्या, मुन्ना लाल मौर्य, बसपा से तेज बहादुर मौर्य, बसपा से ही विजय प्रताप कुशवाहा, डॉ. सलोना कुशवाहा, केके पाल ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ली हैं। ये एक शुभ संकेत है, हमसे जुड़ने वाले सभी नेताओं को विधानसभा चुनाव में जुट जाने का आग्रह कर रहा हूं। सभी अपने अपने विधानसभा में पार्टी को मजबूत करें। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार में लोगों का अपमान किया जा रहा है, जितना अपमान योगी सरकार में हुआ है, उतना अपमान किसी सरकार ने नहीं हुआ। बता दें कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव इन दिनों पार्टी को मजबूत करने में जुटे हैं। सपा में कांग्रेस, बसपा छोड़कर नेताओं के आने का क्रम जारी है। सपा की ओर से सभी नेताओं को नयी सदस्यता दिलायी जा रही है।

अखिलेश सरकार में 195 लोगों को दिया गया यश भारती पुरस्कार

लखनऊ। प्रदेश के संस्कृति विभाग के मुताबिक अखिलेश यादव की सरकार ने वर्ष 2012-13 से 2016-17 के बीच कुल 195 लोगों को यश भारती पुरस्कार दिया।

एक्टिविस्ट डॉ. नूतन ठाकुर को आरटीआई में दी गई सूचना के अनुसार इनमें सबसे पहले वर्ष 2012-13 के लिए 15 लोगों को ये पुरस्कार दिए गए। इसके बाद वर्ष 2013-14 के लिए 22 लोगों को पुरस्कार मिला। वर्ष 2014-15 में पहले 28 तथा इसके बाद 4 अलग-अलग आदेशों के जरिये 6 अर्थात कुल 34 लोगों को यश भारती पुरस्कार दिया गया।

वर्ष 2015-16 में 7 बार में 48 लोगों को पुरस्कार मिला जबकि वर्ष 2016-17 में 12 अलग-अलग आदेशों के जरिये कुल 76 लोगों को यश भारती पुरस्कार मिला था। यश भारती पुरस्कार के लिए अन्तिम आदेश 19 दिसम्बर 2016 को हुआ था जब 7 लोगों को यह पुरस्कार दिया गया।

श्रद्धालुओं की संगम में डुबकी गंगा सफाई का प्रमाण: दारा सिंह चौहान

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के वन एवं पर्यावरण मंत्री दारा सिंह चौहान ने कहा कि करोड़ों श्रद्धालुओं की संगम में डुबकी गंगा सफाई का प्रत्यक्ष प्रमाण है। योगी सरकार गंगा सफाई के गंभीर प्रयास कर रही है। श्री चौहान ने शनिवार को पर्यावरण व उद्योग पर आयोजित पीएचडी चेंबर के एक वेबिनार में कहा कि कानपुर में सीवेज को गंगा में गिरने से पूरी तरह रोका जाना बड़ी उपलब्धि है। यह उत्तर प्रदेश में जल प्रदूषण का एक बड़ा केंद्र माना जाता था।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जल और जंगल के प्रति चिंता जग ज़ाहिर है। इस संबंध में देश के एक-एक ग्राम प्रधान को उन्होंने पत्र भी लिखा है। पानी व्यर्थ न जाए इसके लिए सरकार ड्रिप इरीगेशन पर 90 प्रतिशत तक सब्सिडी दे रही है। पर्यावरण और विकास एक दूसरे के पूरक हैं। योगी सरकार ने सतत् विकास के मुद्दे पर लगातार 36 घंटे तक उत्तर प्रदेश विधानसभा में चर्चा की है जोकि अपने आप में एक रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि इस वेबिनार में उद्यमियों ने अपने लिए कोई सुविधा या सब्सिडी की मांग किये बगैर पर्यावरण की चिंता की है।

पीएचडी चैम्बर के नेशनल प्रेसिडेंट संजय अग्रवाल व यूपी चैप्टर के चेयरमैन ललित खेतान ने कहा कि सरकार के साथ बेहतर सामंजस्य से उद्यमी पर्यावरण संरक्षण के साथ ही देश के औद्योगिक विकास का मार्ग भी प्रशस्त कर सकते हैं। उन्होंने वन मंत्री चौहान के अनुरोध पर उद्योग जगत के हर संभव सहयोग का भरोसा भी दिलाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के साथ एक नॉन प्रॉफिट संस्था के रूप में पीएचडी चेंबर इन सभी मुद्दों पर अपना रचनात्मक योगदान दे सकता है।

उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मुख्य सचिव व नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के वर्तमान मेंबर डॉक्टर अनूप चंद्र पाण्डेय ने कहा कि ज़्यादातर उद्यमी पर्यावरण से सम्बंधित मानकों का पालन करना चाहते हैं। सरकार को जुर्माने की तुलना में अनुपालन की लागत को घटाना होगा। जिससे उद्यमी स्वेच्छा से इसका पालन करें। आज प्रदूषण की स्थिति बहुत ही चिंताजनक है जिसके लिए सरकार व उद्योग जगत को मिलकर प्रभावी उपाय करने होंगे। कानपुर देहात के रनिया में हालात इतने भयावह हैं कि प्रदूषण के कारण भूजल के दोहन पर प्रतिबंध लगाना पड़ा है। साथ ही दूसरा पक्ष यह है कि कानपुर में 122 टेनरी बंद पड़ी हैं। यह दोनों स्थितियां ही ठीक नहीं हैं। अधिकारियों की जवाबदेही तय कर समस्या का समयबद्ध निस्तारण होना चाहिए। पर्यावरण और उद्योग दोनों का सुचारु रूप से चलना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है।

पीएचडी चेंबर के यूपी चैप्टर के चेयरमैन मनीष खेमका ने कहा कि कोरोना संकट के दौरान पर्यावरण संरक्षण के लिए केंद्र सरकार ने शहरों में फिर से जंगल विकसित करने की पहल शुरू की थी। इस योजना के तहत देशभर में दो सौ नगर वन विकसित किए जाने हैं। केंद्र सरकार की इस योजना के तहत उत्तर प्रदेश को अधिक से अधिक लाभ दिलाने का प्रयास होना चाहिए।

खेमका ने कहा कि यूपी फ़ॉरेस्ट कॉर्पोरेशन द्वारा उत्तर प्रदेश के जंगलों से जड़ी बूटी इकट्ठा करने का काम भी किया जाता है। इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। कोरोना के कारण देश ने इसका अनुभव भी किया है। साथ ही पिछले तीन सालों में प्रदेश के इको टूरिज्म स्थलों पर लोगों के आने का सिलसिला 20 गुना तक बढ़ा है। प्रदेश सरकार की योजना है कि वनवासी क्षेत्रों में स्टे होम बनाकर ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा दिया जाए। इन सभी मुद्दों पर प्रभावी पॉलिसी बनाकर प्रदेश सरकार इस क्षेत्र में उद्यमियों को आकर्षित कर सकती है जिससे न केवल कारोबार बढ़ेगा बल्कि रोज़गार के अवसरों को भी बढ़ाया जा सकेगा। वेबिनार को यूपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के मेंबर सेक्रेटरी आशीष तिवारी, सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के रीजनल डायरेक्टर आरके सिंह व व्हील्स इंडिया लिमिटेड के जी मोहनकृष्णा ने भी संबोधित किया।

बुरी आदतें कैसे सुधारें

आदतों का प्रत्येक जीवन में प्रभाव दिखाई देता है। आदतें कुछ अच्छी भी होती हें, कुछ बुरी भी। अधिकांश लोगों के जीवन में दोनों ही कम या अधिक मात्रा में मौजूद हैं अपनी बुरी आदतों को कैसे छोड़ा जाए ? नई अच्छी आदतों को कैसे विकसित किया जाए ? यह प्रश्न प्रायः सभी के मन में उठा करता है।

वास्तव में आदतें ऐसी जटिल नहीं हैं, जिनसे छुटकारा न पाया जा सके। अच्छी आदतों के लिए तो कोई समस्या नहीं है। परन्तु वे आदतें जो व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक जीवन को प्रभावित करती हैं, प्रगति के मार्ग में बाधा बनती हैं, उन्हे दूर किया ही जाना चाहिए। दूर करना कठिन भी नही है।

डॉ ए पी शुक्ल
गायत्री परिवार

आदत क्या है ? इसे सरल रूप में यों कह सकते हैं-व्यक्ति के द्वारा दैनिक जीवन में किए जाने वले कार्य, सोचने का तरीका एवं रहने का ढंग सब मिलकर आदतों का निर्माण करते हैं। जैसे - अपव्ययता, अस्वच्छता, दीर्घ सूत्रता, एकाग्रता का अभाव, अपशब्द बोलना, दूसरों को कष्ट-हानि पहुँचाना कुछ बुरी आदतें हैं। इनका निर्माण धीरे-धीरे होता है। जब इन्हे अनुकूल वातावरण मिलता है, तो वहाँ अच्छी तरह विकसित होने का अवसर मिल जाता है। अच्छी आदतें भी इसी प्रकार जीवन में सम्मिलित होती हैं।

आवश्यक यह है कि उन आदतों को स्पष्ट रूप से पहचाना जाय, जिन्हे छोड़ना है। जिन परिस्थितियों में इन्हे उभरने का मौका मिलता है, उन्हे भी समझा जाए। जैसे - अस्त-व्यस्त जीवन एक बुरी आदत है। कोई इससे छुटकारा पाना चाहता है तो सर्व प्रथम उसे अपने सप्ताह भर के जीवनक्रम पर पैनी दृष्टि डालनी चाहिए एवं उन आदतों को कागज पर लिखना चाहिए, जो अस्त-व्यस्तता का कारण बनी हुई हैं, जैसे - अपने कमरे की अस्वच्छता, प्रयोग में आने वाले कागज, कलम, कपड़ों को इधर-उधर रखना, किसी वस्तु का प्रयोग कर उसे यथास्थान वापस न रखना आदि। इस प्रकार प्रत्येक सूक्ष्म गलती पर अंकुश रखा जा सकेगा। उनमें से एक-एक को लेकर उन्हे हटाना सरल होगा। गंदगी फैलाने की आदत को मात्र सफाई से रहने की सीख मिल जाने पर ही दूर नहीं किया जा सकता है। इसके लिए आदतों की गहराई में जाकर उन्हें निकालना पड़ेगा।

कहने का तात्पर्य यह है कि किसी भी आदत में परिवर्तन के लिए अस्पष्ट संकल्प नहीं होना चाहिए। जैसे यह कहना कि मैं कड़ी मेहनत से पढ़ूँगा, अस्पष्ट संकल्प है। इसे मापा नहीं जा सकता है। इसकी अपेक्षा यह संकल्प सही होगा कि मैं प्रतिदिन दो घंटे नियमित रूप से पढ़ूँगा। इसमें सुनिश्चितता है। छोटी- छोटी, किन्तु सुनिश्चित सफलता प्रदान करने वाले लक्ष्य को निर्धारित करके अपनी आदतों को बदलने में सहायता पाई जा सकती है। एक बार मिली सफलता, दूसरी बड़ी सफलता की राह खोलती है, अपने अंदर विश्वास जगाती है। व्यक्ति कोई दीर्घसूत्रता से परेशान है, आज के काम को कल पर टालता है एवं विकल्पयुक्त संकल्प करता है, जैसे मैं रविवार को आठ घंटे लगातार सफाई के कार्य को करने वाला हूँ तो शायद ही उसका यह संकल्प पूरा हो सके। लेकिन यदि वह प्रत्येक रविवार एक घंटे का समय सफाई के लिए देने का निश्चय करे तो वह उसे पूरा कर सकता है। एक घंटे का अभ्यास दृढ़ हो जाने पर इसे दो घ्टे तक बढ़ाया जा सकता है और क्रमशः अपने लक्ष्य की प्राप्ति की जा सकती है। परिवर्तन के लिए जो निश्चय उभरे, उससे अपने मित्रों एवं कार्य क्षेत्र के लोगों को परिचित करा देना ठीक रहता है। यह एक ऐसा मनोवैज्ञानिक दबाव है, जो निश्चय को पूरा करने में सहायक होता है।

विभिन्न प्रदेश के परिधानों को पहन मंच पर उतरीं छात्राएं

उत्तर प्रदेश व अरुणाचल प्रदेश की सांस्कृतिक सामाजिक धरोहरों से रूबरू हुई छात्राएं

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत वर्ष पर्यन्त चलने वाले कार्यक्रमों की शृंखला में नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला स्वातकोत्तर महाविद्यालय अलीगंज में शनिवार को उत्तर प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश की सांस्कृतिक सामाजिक धरोहरों से एक दूसरे को परिचित कराने के लिए राजत्व दिवस (स्टेट हुड डे) के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मिसेज़ यूनिवर्स 2019 नीमा पंत मौजूद रहीं।

इस मौके पर उन्होंने छात्राओं का हौसला बढ़ाते हुये कहा कि जो करना है उसे ठान लो तथा अपनी रोल मोडल खुद बनो। कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में जानी मानी समाज सेवी बिंदु बोरा ने भी इस प्रकार के आयोजनों को देश की विविधता समझने के लिये ज़रूरी बताया।विशिष्ट अतिथि के रूप में बालीवुड अभिनेता नरेन्द्र आनन्द ने छात्राओं को लुभाया तथा कहा कि छात्राओं में अनंत सम्भावनाएँ हैं। उन्हें अपना लक्ष्य निर्धारित कर लेना चाहिये। विशेष अतिथि के रूप में रेज़िंग हॉप की संस्थापक तथा गायिका मोनिका श्रीवास्तव ने गायन से सबका मनोरंजन किया।

इस अवसर पर विभिन्न प्रदेश के परिधानों को पहने छात्राओं ने प्रान्तीय परिधान प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। जिसमें पंजाब राजस्थान को प्रथम महाराष्ट्र को द्वितीय तथा केरल को तीसरा स्थान मिला। जबकि अरुणाचल प्रदेश मणिपुर तथा कर्नाटक को सान्त्वना पुरस्कार मिला। इसके अलावा आर्ट और क्राफ़्ट प्रतियोगिता में अरुणाचल को पहला उत्तराखंड को दूसरा त्रिपुरा को तीसरा जबकि पश्चिम बंगाल गुजरात और गोवा को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री के अभिनव परिकल्पना एक भारत श्रेष्ठ भारत हमारी विरासत को समझने का अनूठा प्रयोग है, जिसमें महाविद्यालय अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम का संचालन नोडल अधिकारी डाक्टर पूनम वर्मा ने किया। वर्ष भर हुये कार्यक्रमों की आख्या डाक्टर विनीता लाल ने प्रस्तुत की तथा धन्यवाद ज्ञापन किया। डाक्टर मीनाक्षी शुक्ला ने सक्रिय भागीदारी की।

श्री शारदा ग्रुप में श्री उत्सव का भव्य आयोजन

क्राइम रिव्यू

गोसाईगंज। गोसाईगंज के चांद सराय गांव स्थित श्री शारदा ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूटशन में श्री उत्सव (स्पोर्ट् उत्सव) का भव्य आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन इंस्पेक्टर गोसाईगंज ब्रजेश सिंह ने किया। खेलकूद के उत्सव में विभन्न प्रकार के खेलो का आयोजन किया गया। उत्सव में बैडमिंटन, क्रिकेट, वालीबाल, चेस, कैरम और दौड़ जैसी प्रतियोगताओ का आयोजन किया गया। जिसमे छात्र - छात्राओ ने प्रतिभाग लिया । इस मौके पर उत्सव में विजयी टीम बी.ए , वोलीबाल की विजयी टीम बी .सी .ए , रस्साकशी, दौड़, कैरम, चेस प्रतियोगिता में अव्वल आये छात्र छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन में संस्था के डीन डॉ विवेक मिश्रा ने सभी छात्रों को पढाई के साथ साथ खेल कूद की उपयोगिता भी बताई और यह भी बताया की खेल कूद शारीरिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण भाग है।

वृद्ध जनों को जरूरत की वस्तुओं एवं मास्क का वितरण

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। सर्व जन कल्याण एसोसिएशन द्वारा सर्वजन हिताय की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए वृद्ध जनों को उनकी जरूरत की वस्तुओं एवं मास्क का वितरण किया गया। इस अवसर पर सर्वजन कल्याण एसोसिएशन के प्रदेश प्रवक्ता हेमंत भसीन ने बताया कि जब हम लोग पिछली बार यहां पर आए थे, तो कुछ आवश्यक वस्तुओं की यहां पर जरूरत महसूस की गई थी। आज उन्हीं चीजों को लेकर के एक बार पुनः हम लोग यहां पर उपस्थित हुए एवं आने वाले समय में भी लगातार यहां की अवस्थाओं के हिसाब से संगठन का आना जाना चलता रहेगा। इस अवसर पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अशोक उपाध्याय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय चतुर्वेदी, महासचिव सचिन कटिहार, नगर अध्यक्ष विशाल अंकुर, महिला इकाई अध्यक्ष अनुराधा सिंह, नीतू सिंह, रुचि अग्रवाल, आकांक्षा, सुधा के साथ उदय श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे।

यह सप्ताह आपके लिए कैसा रहेगा। आपके जीवन मे क्या क्या परिवर्तन हो सकता है। आपके सितारे क्या कहते हैं। यह बता रहे हैं जयपुर से **एस्ट्रोलॉजर विवेक जी।**
मोबाइल नंबर 9455087756

मेष

मेष राशि वालों को इस सप्ताह कुछ आकस्मिक धन लाभ होने की संभावना है। कुछ यात्राएं भी हो सकती हैं धार्मिक कार्यों में भी भाग ले ने की संभावना है। पार्टनरशिप से भी लाभ होने की संभावना है। नौकरी पेशा वालों के लिए समय थोड़ा परिश्रम वाला हो सकता है। व्यापारी वर्ग के लिए समय अच्छा है। विद्यार्थियों के लिए भी समय थोड़ा परिश्रम वाला हो सकता है।
शुभ रंग- सफेद
शुभ अंक -2

वृष

वृषभ राशि वाले व्यक्तियों के लिए यह समय थोड़ा मानसिक उलझनों वाला हो सकता है। छोटी छोटी यात्राओं की भी संभावना है। धन खर्च करते समय सचेत रहे। नौकरी पेशा वालों के लिए समय अच्छा है। व्यापारी वर्ग को कुछ परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। वैवाहिक जीवन में कुछ नोक झोंक होने की संभावना है। घुटने या पाव से जुड़ी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।
शुभ रंग- काला
शुभ अंक-2

मिथुन

मिथुन राशि मिथुन राशि वालों के लिए इस सप्ताह छोटी छोटी यात्राओं से लाभ होने की संभावना है। अचानक धन लाभ होने की भी संभावना है। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आकस्मिक खर्च भी बढ़ सकते हैं दूर यात्रा भी कर सकते हैं। नौकरी पेशा वालों के लिए समय थोड़ा मिलाजुला रह सकता है। व्यापारी वर्ग के लिए भी समय थोड़ा प्रतिकूल रहने की संभावना है ।
शुभ रंग -पीला
शुभ अंक- 4

कर्क

कर्क राशि- कर्क राशि वाले व्यक्तियों के लिए इस सप्ताह व्यापार में अच्छी स्थिति रहने की संभावना है। वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। नौकरी पेशा वालों का भी यह सप्ताह अच्छा रहने की संभावना है। कुछ नए लोगों से मिल सकते हैं दूर यात्रा से लाभ होने की संभावना है।विद्यार्थियों के लिए समय परिश्रम वाला हो सकता है। प्रेमी प्रेमिकाओं के लिए यह समय उपयुक्त नहीं ।
शुभ रंग -लाल
शुभ अंक -1

सिंह

सिंह राशि वाले व्यक्तियों में इस सप्ताह धार्मिक रुचि रहने की संभावना है। वैवाहिक जीवन में नोकझोंक हो सकती है। नौकरी पेशा वाले व्यक्तियों के लिए समय अच्छा है। व्यापारी वर्ग के लोगों को थोड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। फिजूल खर्च से बचें। अपनी सेहत का ध्यान रखें ।माता की सेहत का ध्यान रखें। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है। प्रेमी प्रेमिकाओं के लिए समय अच्छा है ।
शुभ रंग -गुलाबी
शुभ अंक- 8

कन्या

कन्या राशि वाले व्यक्तियों के लिए यह समय मिलाजुला होने की संभावना है। कोई धार्मिक कार्य कर सकते हैं या रुचि ले सकते हैं। नौकरी में कुछ सरकारी सहायता मिल सकती है। व्यापारी वर्ग के लिए समय अच्छा है। कन्या राशि वाले व्यक्तियों को पेट या पीठ से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। विद्यार्थी वर्ग के लिए समय अच्छा है। प्रेमी प्रेमिकाओं के लिए समय अच्छा है।
शुभ रंग- हल्का पीला
शुभ अंक-7

तुला

तुला राशि वालों के लिए यह सप्ताह कुल मिलाकर अच्छा रहेगा। नौकरी पेशा वालों की इस सप्ताह थोड़ी दौड़ भाग हो सकती है। व्यापारी वर्ग को कुछ अच्छे समाचार मिलने की संभावना है। कुछ मानसिक परेशानी हो सकती है। जमीन जायदाद से जुड़े कुछ फैसले हो सकते हैं। संतान संबंधी कुछ परेशानी हो सकती है। वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा विद्यार्थियों के लिए समय थोड़ा परिश्रम भरा है।
शुभ रंग -हरा
शुभ अंक -3

वृश्चिक

वृश्चिक राशि वाले व्यक्तियों की इस सप्ताह जमीन से जुड़े कुछ फैसले होने की संभावना है। नौकरी वर्क के लिए अच्छा समय व्यापारिक वर्ग के लिए यह समय कुछ कुल जनों भरा हो सकता है। व्यापारिक फैसले या निवेश से पहले अच्छी तरह सोच विचार करें। पिता की सेहत का ध्यान रखें। विद्यार्थियों के लिए समय दौड़ भाग वाला हो सकता है। प्रेमी प्रेमिकाओं के लिए समय उपयुक्त है।
शुभ रंग -हरा
शुभ अंक -4

धनु

धनु राशि वाले व्यक्तियों को इस सप्ताह के शुरुआत में मानसिक चिंता होने की संभावना है। सेहत का ध्यान रखें। नौकरी वर्ग वाले व्यक्तियों का समय अच्छा रहने की संभावना है। व्यापारी वर्ग के लोगों को खर्चा निवेश से धन लाभ होने की संभावना है। विद्यार्थी वर्ग के लिए अच्छा समय है। धनु राशि वाले व्यक्तियों को इस सप्ताह डूबे हुए या खोए हुए धन मिलने की संभावना है।
शुभ रंग -नारंगी
शुभ अंक -5

मकर

मकर राशि वाले व्यक्तियों को इस सप्ताह धन खर्च पर नियंत्रण रखना चाहिए। अचानक धन लाभ होने की भी संभावना है। जमीन जायदाद से जुड़े कुछ फैसले ले सकते हैं। अपनी सेहत का ध्यान रखें। नौकरी वर्ग के लिए यह समय परिश्रम भरा हो सकता है। व्यापारी वर्ग के लिए समय अच्छा है। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है। प्रेमी प्रेमिकाओं के लिए समय थोड़ा परिश्रम भरा हो सकता है।
शुभ रंग- सफेद
शुभ अंक- 6

कुम्भ

कुंभ राशि वाले व्यक्तियों के लिए यह समय परिश्रम व यात्राओं भरा हो सकता है। संतान संबंधी खर्चे या चिंता होने की संभावना है। धार्मिक रूचि होने की संभावना है। जमीन जायदाद से जुड़े फैसले हो सकते हैं। वैवाहिक जीवन में कुछ नोकझोंक हो सकती है। माता की सेहत का ध्यान रखें। नौकरी वर्ग के लोगों के लिए समय अच्छा है। व्यापारी वर्ग के लोगों को फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखना चाहिए।
शुभ रंग -पीला
शुभ अंक-9

मीन

मीन राशि वाले व्यक्तियों को इस सप्ताह धन लाभ होने की संभावना है। पांव से जुड़ी समस्या या तकलीफ हो सकती है। मित्रों पर या करीबी लोगों पर धन खर्च होने की संभावना है। नौकरी वर्ग के लोगों को कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। व्यापारी वर्ग के लोगों के लिए यह समय अच्छा है। वैवाहिक जीवन के लिए भी यह समय अच्छा है। विद्यार्थियों का समय परिश्रम भरा हो सकता है।
शुभ रंग -नीला
शुभ अंक -4

अपने मिशन में कामयाब होने के लिए, आपको अपने लक्ष्य के प्रति एकचित्त निष्ठावान होना पड़ेगा।
- अब्दुल कलाम आजाद

बीसीए की अरीबा शकील बनी मिस फ्रेशर

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। लाल बहादुर शास्त्री गर्ल्स कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट द्वारा गौराबाग, कुर्सी रोड स्थित कैम्पस में बीबीए, बीकॉम (आनर्स) बीसीए एवं बीकॉम के प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। जिसमें

बीसीए की अरीबा शकील को मिस फ्रेशर चुना गया। वही सृस्टि (बीबीए) प्रथम रनरअप, अदिति (बीकॉम.(आनर्स) द्वितीय रनरअप व प्रिया (बीकॉम) तृतीय रनरअप चुना गया।

फ्रेशर पार्टी का आयोजन सीनियर और जूनियर छात्राओं में एकता एवं सौहार्द लाने की कोशिश की गई। कार्यक्रम के शुरुआत में भारतीय संस्कृति के अनुसार नई छात्राओं का स्वागत सीनियर छात्राओं द्वारा तिलक लगाकर किया गया। उसके उपरान्त सीनियर छात्राओं द्वारा कई रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। करीब तीन घंटे तक चले सीनियर छात्राओं के रंगारंग कार्यक्रम को देख सभी मंत्रमुग्ध हो गए।

अन्त में मिस फेशर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता चार चरणों में विभाजित थी। पहला चरण जूनियर छात्राओं का रैंपवॉक, द्वितीय चरण चिटरांउड, तीसरा चरण परफारमेन्स रांउड एवं अन्तिम चरण सवाल-जवाब का था। इसे चार पुरस्कार, मिस फ्रेशर, प्रथम रनरअप, द्वितीय रनरअप और तृतीय रनरअप घोषित किये गये। अरीबा शकील (बीसीए) .को मिस फ्रेशर, सृस्टि (बीबीए) प्रथम रनरअप, अदिति (बीकॉम. (आनर्स) द्वितीय रनरअप, प्रिया (बीकॉम.) तृतीय रनरअप चुना गया।

इन पुरस्कारों के अतिरक्त मिस चार्मिंग टाइटल से नूतन (बीकॉम), मिस फोटोजेनिक से मुस्कान (बीसीए). बेस्ट स्माइल टाइटल से प्रिया राय (बी.काम.), बेस्ट पर्सनालटी टाइटल से फिरदौस (बीबीए) बेस्ट ड्रेस टाइटल से दिव्यानी (बीकॉम (आनर्स) एवं मिस दीवा टाइटल से आस्था (बीबीए) इत्यादि को पुरस्कृत किया गया।

सभी विजेता एवं रनरअप छात्राओं को महाविद्यालय की अध्यक्षा मोना श्रीवास्तव, कुमार सौम्य, डेवलेपमेंट निदेशक, एलबीएसजीओआई, डॉ तृप्ति बर्थवाल, निदेशक, एलबीएसआईएमडीएस द्वारा शील्ड देकर सम्मनित किया गया। इस अवसर पर एलबीएसजीसीएम किशोर कुमार, रजिस्ट्रार एवं प्रमोद भटनागर, संकाय अध्यक्ष, एमसीए, एलबीएसआईएमडीएस, डॉ शिवा मनोज, संकाय अध्यक्ष, बीकाम (आनर्स), गौरवी शुक्ला, संकाय अध्यक्ष, बीसीए, डॉ अफीफा फातिमा, संकाय अध्यक्ष, बीकॉम एवं समस्त प्रवक्तागण, एलबीएसजीसीएम उपस्थित रहे।

लाल बहादुर शास्त्री गर्ल्स कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट के गौराबाग कैम्पस में हुआ फ्रेशर पार्टी का आयोजन

अवध रत्न सम्मान से विभूतियां सम्मानित

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के तत्वावधान में सेक्टर जे, रेल नगर विस्तार कालोनी, कथा मैदान आशियाना में चल रहे अवध महोत्सव-2021 की 16वीं सांस्कृतिक संध्या में अनेक विभूतियां अवध रत्न सम्मान से सम्मानित हुई।

सांस्कृतिक संध्या के अवसर पर प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह और उपाध्यक्ष एनबी सिंह ने डॉ अनीता सहगल वसुन्धरा (अभिनेत्री, उद्घोषिका), ऋतु सिंह (एआरटीओ), सरिता सिंह (वरिष्ठ नृत्यांगना, उड़ान संस्थापिका), शुचिता पाण्डेय (प्रसिद्ध पार्श्व गायिका), पुनीता भटनागर (हस्तशिल्पी), मंदाकिनी बहुगुणा (संगीत शिक्षिका), अंकिता बाजपेई (नृत्यांगना-गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड होल्डर), मौनी मिश्रा (समाज सेविका) को पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंटकर अवध महिला रत्न सम्मान 2021 से सम्मानित किया।

इसी क्रम में फिल्म अभिनेता (अर्पित सिंह), श्रीराम नाथ शुक्ला (रामलीला दशहरा कमेटी), डॉ दीपक कुमार श्रीवास्तव (शिक्षक) को पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंटकर अवध पुरूष रत्न सम्मान 2021 से सम्मानित किया गया। इसी श्रृंखला में बानी चावला (बाल गायिका), आरोही नाहिल, श्रीजाम्या, तेजस्वी पोरवाल, यशस्वी पोरवाल, पलक वर्मा, इप्शिता अरोड़ा, आकर्ष सूर्यवंशी, उन्नति श्रीवास्तव और तनु कुमारी (बाल नृत्यांगना) को अवध बाल रत्न सम्मान 2021 से सम्मानित हुई। इस अवसर पर प्रिया पाल, पवन पाल, अनुराग शाह सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों के अलावा तमाम लोग उपस्थित थे।

अवध महोत्सव की 16वीं सांस्कृतिक संध्या में स्वरा त्रिपाठी, भाव्या श्रीवास्तव, वैष्णवी शुक्ला, कृतिका शर्मा और आद्या तिवारी ने हे शारदे मां पर नृत्य प्रस्तुत कर विद्या और संगीत की देवी सरस्वती जी के चरणों में अपनी अगाध श्रद्धा अर्पित की। इसी क्रम में ध्रुविका धवन ने दुर्गा स्तुति जय मां अम्बे पर भावपूर्ण नृत्य प्रस्तुत कर भगवती देवी दुर्गा के नवों रूपों के दर्शन दर्शकों को करवाए।

भक्ति भावना से ओतप्रोत इस प्रस्तुति के उपरान्त अविका त्रिवेदी ने ऐ मेरे वतन के लोगों, अंशिका शुक्ला, नासिरा परवींन, सरफराज ने सुनों गौर से दुनिया वालों, जया शुक्ला ने एक प्यार का नग्मा गीत पर नृत्य की मनोरम छटा बिखेरी। इसी प्रकार अवनी शुक्ला, प्रणय मानवानी, मन्नत निगम, मेधा पाण्डेय, ऐश्वर्या चन्द्रा, सोनाली पाण्डेय, उर्वशी पाहूजा, जागृति लखमानी, आशु तिवारी ने फिल्मी गैर फिल्मी गीतों पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सम्पूर्ण शुक्ला और अरविन्द सक्सेना ने किया।

अवधी व्यंजन प्रदर्शनी तथा प्रतियोगिता की धूम

अवध महोत्सव में अवध की विरासत को आगे बढ़ाने के क्रम में आयोजित अवधी व्यंजन प्रदर्शन एवं प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रहा।कार्यक्रम प्रभारी सीमा गुप्ता के नेतृत्व में विभिन्न प्रकार के अवधी व्यंजनों को अवध क्षेत्र की शालिनी मिश्रा, रुबी सिह, नित्या मिश्रा, आभा भारद्वाज ,सावित्री साहू, अर्चना तिवारी, दिव्या मिश्रा, आरती मोदिया, संतोष शर्मा, मंजू मोदिया, दिव्या द्वारा बनाया गया। कार्यक्रम की संयोजिका प्रतिभा गुप्ता ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम ज्ञान प्रदान करने का कार्य करते हैं। साथ ही हम सभी के लिए बहुत ही उपयोगी होता है।

अवधी व्यंजन प्रदर्शनी कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रही महिलाओं को आईपीएस अखिलेश निगम, सचिवालय की समीक्षा अधिकारी सीमा गुप्ता, उपाध्यक्ष एनबी सिंह ने अवध श्री सम्मान प्रदान करके सम्मानित की।

सब्जी उत्पादन के जरिए परिवार को आत्मनिर्भर बना रहीं महिलाएं

क्राइम रिव्यू

मोहनलालगंज। घर के चूल्हा-चौका से वक्त निकालकर सब्जी उत्पादन के जरिए मोहनलालगंज के बलसिंहखेड़ा गांव की दर्जनों महिलाएं स्वयं सहायता समूहों की मदद से परिवार को आत्मनिर्भर बनाने में कामयाब होती दिख रही हैं। आधी आबादी का दम दिखा रहीं इन महिलाओं की कोशिशें तीन वर्ष में किचेन गार्डेन से निकलकर हरे-भरे खेतों में तब्दील हो चुकी हैं। घर और खेतों में तैयार की गई पोषण वाटिकाओं से हो रही हरी सब्जियों की उपज बाजार में बेंचकर गांव के तकरीबन छः दर्जन परिवार अपनी आमदनी दोगुनी कर चुके हैं। लिहाजा पुरुषों की प्रेरणा बन रहीं महिलाओं के प्रयासों को जिला प्रशासन से लेकर प्रदेश पटल तक सराहा जा रहा है।

मोहनलालगंज विकासखण्ड के बलसिंह खेड़ा गांव में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत सात स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 70-75 महिलाएं सरकार के आत्मनिर्भर अभियान को हकीकत में बदलने की मुहिम चला रही हैं। एनआरएलएम टीम की प्रेरणा से तीन वर्ष पूर्व गांव की कुछ महिलाओं ने घरेलू जरुरतों को पूरा करने के लिए किचेन गार्डेन से सब्जी उत्पादन की शुरुआत कर उसे हरे-भरे खेतों तक पहुंचा दिया है।

राधा स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष सरोजनी बताती हैं कि गांव में दर्जनों परिवार खेतों में पोषण वाटिका तैयार कर भिण्डी ,करेला ,टमाटर ,गाजर ,धनिया ,मूली ,लौकी ,तरोई और आलू समेत अन्य सब्जियों की बड़े पैमाने पर खेती करके आमदनी कर रहे हैं। गांव की महिलाएं भी इस कार्य में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अपना योगदान दे रही हैं। सब्जियों की उपज बाजार में बेंचकर गांव के अधिकतर परिवार गुजारे और बच्चों की तालीम पर खर्च के बाद बची-खुची पूंजी भविष्य के लिए बचाकर रख रही हैं।

गमलों में उगा रहीं जैविक सब्जियां

उपायुक्त स्वतः रोजगार सुखराज बन्धु ने बताया सब्जी उत्पादन के लिए समूहों से जुड़ी बलसिंहखेड़ा गांव की महिलाओं को मिशन की ओर से प्रेरित कर यथासंभव आर्थिक मदद भी दी जा रही है। महिलाओं का परिश्रम वाकई काबिलेतारीफ है। उन्होने बताया जिन महिलाओं के परिवार में ज्यादा भूमि नही है वह लोग दूसरों की खेती में मदद करके भी आमदनी कर रही हैं। उपायुक्त ने बताया सरोजनी की अगुवाई में कुछ महिलाएं गमलों में घर की जरुरत के लिए टमाटर समेत अन्य सब्जियां उगा रही हैं। खास बात यह है कि सब्जी उगाने के लिए गांव के अधिकतर परिवार स्वयं की बनाई जैविक खाद का ही बहुतायत प्रयोग कर रहे हैं।

नरही राइडर्स ने स्टार राइडर्स को हराकर जीती ट्रॉफी

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। एपीसीएलटी फाउंडेशन द्वारा स्वर्गीय किशोर भारती की याद में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में नरही राइडर्स ने स्टार राइडर्स को आठ रन से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। नरही राइडर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पारी की शुरुआत करने आए राहुल और रविंदर ने टीम को

अच्छी शुरुआत देते हुए 3 ओवर में 35 रन बना दिये। राहुल ने मात्र 5 गेंदों में ताबड़तोड़ 19 रन बनाये। नरही ने निर्धारित ओवर में 80 रन बनाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्टार राइडर्स के बल्लेबाज जीतू 19, रोहित14 और मुकुल11 को छोड़कर अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए। टीम को 8 रन से हार का सामान करना पड़ा। नरही राइडर्स के गेंदबाज अमित को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच का अवार्ड दिया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि पार्षद हेमा सनवाल, सिमरन भारती, प्रेम चौरसिया, श्याम पुजारी, धीरज गीहार ,सचिन वाल्मीकि, अखिलेश कुमार, रोहित बाल्मीकि, आनंद चौधरी नीरज कुमार आदि उपस्थित रहे।

बसंतोत्सव में सखियों ने जमकर मचाया धमाल, संगीत की धुनों पर थिरकी सखियां

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। सुर थे साज थे और साथ था बसंत के सुहाने गीतों का। फरीदनगर में संगीत की ताल पर जब सखियों ने थिरकना शुरू किया तो पूरा प्रांगण वसंत के उल्लास से भर गया।

मौका था सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था उड़ान की ओर से बसंतोत्सव का। जिसमें महिलाओं ने वंसत गीतों के गायन व वसंत गीतों पर नृत्य पेश कर खूबसूरत लम्हों को यादगार बना दिया। कार्यक्रम में महिलाएं कहीं संगीत की ताल पर सखियों संग हंसी ठिठोली तो कहीं पुराने गीतों को सुनकर अपनी यादों को ताजा करने में जुटी रहीं। पीले परिधानों में सजी धजी महिलाओं ने मनवा लागे, लंदन ठुमक दा, ये गलियां ये चौबारा आदि गीतों पर सखियों संग नृत्य कर खूब धमाल मचाया।

वासंतिका उत्सव का शुभारंभ पीले वस्त्रों में बच्चों एवं महिलाओं ने विद्या व संगीत की देवी मां सरस्वती की पूजा अर्चना से हुआ। समारोह में 5 वर्ष से 15 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने अपनी रचनात्मक कलात्मक प्रतिभा का परिचय दिया। सरिता सिंह के संयोजन में आयोजित वासन्तिका उत्सव में सृष्टि, येशु वर्मा, रिद्धिमा कौशल, वृद्धि, स्वरा त्रिपाठी, वगिशा पन्त, अधिरा आदि अन्य बाल नृत्यांगनाओ ने पिया आयो बसंत पर नृत्य प्रस्तुत कर विद्या की देवी सरस्वती जी के चरणों में अपने अगाध श्रद्धा अर्पित की। इसके अलावा रोली और पिंकी कौशल ने अपनी मधुर आवाज में सरस्वती माता गीत को सुनाकर लोगों को सरस्वती जी की भक्ति का रसपान कराया, तो वहीं सुनैना ने पियानो पर देशभक्ति की धुन बजा कर लोगों को मंत्रमुग्ध किया। वासंतिका के अगले सोपानो में गुंजन वर्मा, रोली, सीमा, सुमन, शिल्पी, आभा, रिंकू, हेमलता, वंदना, सरिता सिंह सहित अन्य महिलाओं ने पारंपरिक नृत्य की मनोरम छटा बिखेरी।

दिव्यांग को नहीं दी सीट, तो नपेंगे परिचालक

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। बस संख्या यूपी 33 बीटी 1920 से सात जनवरी को रायबरेली जा रही एक महिला का छह साल का बेटा दिव्यांग था। उसके पास भी प्रपत्र भी थे इसके बावजूद बावजूद बस कंडक्टर ने उसका टिकट बना दिया।

अयोध्या डिपो की बस से 21 जनवरी को लखनऊ आ रहे संतोष प्रजापति एक पैर से दिव्यांग है। 80 फीसदी दिव्यांगता पर ठीक से चल नही पाते। परिचालक ने उनको छोड़ सहवर्ती का टिकट बना दिया।

यह तो बानगी भर है। लेकिन इस तरह के कई मामले हैं जिनमें दिव्यांग यात्रियों को बस में बैठने के लिए इस तरह की परेशानी का सामना करना पड़ता है। दिव्यांग यात्रियों के लिए भले ही रोडवेज बसों में फ्री सफर की सुविधा दी गई हो लेकिन इसके लिए उन्हें परिचालकों के हाथ पैर जोड़ने पड़ते हैं। मान गया तो ठीक नहीं तो टिकट लेकर यात्रा करना पड़ती है।

सख्ती
- **दिव्यांग यात्रियों को बस में बिठाने से कतराते हैं पचिालक**
- **परिचालक की आय में दिव्यांग यात्रियों नहीं जुड़ता है किराया**

फर्जी साबित करने लगते है सर्टिफिकेट

मामला सिर्फयहीं तक सीमित नहीं है। दिव्यांगों के बस में बैठ जाने के बाद कंडक्टर उसका सर्टिफिकेट देख कर उसे फर्जी साबित करने पर तुल जाते हैं। ऐसे में यात्री अपनी फजीहत से बचने के लिए परिचालक के निर्देश पर टिकट ले लेता है। कई बार तो परिचालक अपनी बस में सीट ना देकर अन्य बस से आने के निर्देश तक जारी कर देते हैं।

नपेंगे ऐसे परिचालक

क्षेत्रीय प्रबंधक पल्लव बोस ने इस मामले में कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। उनका कहना है कि यदि कोई परिचालक किसी भी दिव्यांग यात्री से अनुचित व्यवहार करता है और इसकी सूचना मिलती है तो ऐसे परिचालकों के विरु द्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बस कंडक्टर के व्यवहार की जानकारी देने के लिए यात्री हेल्पलाइन नंबर 18001802877 पर शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

यह भी जाने

- पिछले वर्ष जनवरी से दिसंबर तक 25000 दिव्यांग यात्रियों ने बस सफर किया
- 40 फीसदी पर दिव्यांग व 80 पर दिव्यांग के साथ एक यात्री कर सकता है फ्री में सफर

सम्पादक-हेमन्त कुमार मिश्रा
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक हेमन्त कुमार मिश्रा द्वारा पिन वर्क पब्लिकेशन हाउस, दादाबाड़ी कम्पाउन्ड ठाकुरगंज, लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न किसी प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद लखनऊ न्यायालय होगा। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में किसी प्रकार की आपत्ति होने पर सात दिन के अंदर खंडन भेजें अन्यथा समाचार सत्य माना जाएगाः संपादक। e-mail: crimereview2012@gmail.com, Mobile: 9454552222